छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 192 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 24 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

फैक्ट्री के ड्रेनेज से फसल हो रही बर्बाद, किसान चिंतित

प्रशासन से हस्तक्षेप और नुकसान भरपाई की गुहार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के रघुनाथपुर तहसील अंतर्गत ग्राम सिलसिला में एक निजी मिनरल्स फैक्ट्री द्वारा बनाए गए अनियोजित ड्रेनेज और बाउंड्री के कारण किसान की वर्षों की मेहनत पानी में डूब गई। खेत में जलभराव से खड़ी फसल नष्ट हो गई है। पीड़ित किसान ने नायब तहसीलदार को लिखित आवेदन देकर तत्काल पानी निकासी और उचित मुआवजे की मांग की है।

अधिवक्ता एकलव्य सिंह, सोनाराम, सुखनाथ, संतोष, विनोद कुमार, हीरासाय ने 23 जून को नायब तहसीलदार रघुनाथपुर को दिए आवेदन में बताया है कि, गांव में संचालित मां कुदरगढ़ी मिनरल्स फैक्ट्री ने अपनी फैक्ट्री के हित में बड़ा बांधनुमा बाउंड्री और ड्रेनेज का निर्माण करा दिया है। इस निर्माण के बाद बारिश का पानी प्राकृतिक निकास के बजाय सीधे उनके खेत में भर रहा है। इनका कहना है कि इस बार हुई बारिश के बाद खेत में इतना पानी भर गया कि खड़ी फसल पूरी तरह डूब गई। लगातार जल-जमाव के कारण खेत की मिट्टी भी खराब हो गई है और अब आगे की फसल की बुवाई करना भी संभव नहीं दिख रहा। देखना यह है कि प्रशासन शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है।

परिवार के भरण-पोषण का मंडराया संकट

किसानों ने आवेदन में उल्लेख किया है कि खेती ही उनके परिवार के भरण-पोषण का एकमात्र साधन है। फसल बर्बाद होने से न केवल इस साल की आमदनी गई, बल्कि अगली फसल भी खतरे में है। उन्होंने प्रशासन से गुहार लगाई है कि मामले को गंभीरता से लेकर मौके का निरीक्षण किया जाए। इनके द्वारा राजस्व और कृषि विभाग की टीम भेजकर फसल क्षति का आंकलन कराने, खेत से जमा पानी को निकालने के लिए वैकल्पिक निकासी की व्यवस्था करने, फसल और भूमि को हुए नुकसान का नियमानुसार मुआवजा दिलाने की मांग की गई है।

15 दिन इंतजार के बाद करेंगे आंदोलन

किसानों ने यह भी कहा है कि यदि 15 दिनों के भीतर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। आंदोलन की स्थिति में कानून-व्यवस्था और अन्य नुकसान की जिम्मेदारी फैक्ट्री प्रबंधन और प्रशासन की होगी। फिलहाल इस मामले में तहसील प्रशासन और फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। ग्रामीणों का कहना है कि औद्योगिक इकाइयों के विस्तार के साथ किसानों की जमीन और खेती को पहुंचने वाले नुकसान पर ध्यान देना जरूरी है, अन्यथा भविष्य में विवाद बढ़ने जैसी स्थिति बन सकती है।

सरकारी सड़क पर कब्जा, तिमंजिला भवन 3 दिन में हटाने का आदेश

तहसीलदार न्यायालय ने की सुनवाई, कब्जाधारी के आरोप खारिज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर में शहर के बीचों-बीच शासकीय सड़क की जमीन पर अवैध कब्जा कर तीन मंजिला भवन, कार्यालय और फैक्ट्री खड़ी करने के मामले में राजस्व न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। तहसीलदार न्यायालय ने भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 248 के तहत कार्रवाई करते हुए कब्जाधारी को बेदखल करने और 3 दिन के भीतर अतिक्रमण हटाने का आदेश जारी किया है। राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार सूरजपुर नगर में खसरा क्रमांक 2630, रकबा 1.975 हेक्टेयर भूमि शासकीय सड़क मद में दर्ज है। पटवारी हल्का नंबर 08 की रिपोर्ट में बताया गया कि इसी सड़क की जमीन में से लगभग 0.033 हेक्टेयर क्षेत्र पर पक्का निर्माण कर लिया गया है। इस जमीन पर तीन मंजिला पक्का भवन, कार्यालय कक्ष, फैक्ट्री शेड और चारों ओर बाउंड्रीवाल बना है। पटवारी की रिपोर्ट के आधार पर राजस्व न्यायालय में प्रकरण दर्ज कर सुनवाई शुरू की गई।

कुंजबिहारी गुप्ता ने न्यायालय में लगाई आपत्ति

आपत्तिकर्ता कुंजबिहारी गुप्ता ने न्यायालय में आपत्ति लगाई। उन्होंने कहा कि सरकारी सड़क की जमीन पर फैक्ट्री चल रही है, जिससे आम लोगों को आवागमन में दिक्कत हो रही

है। सरकारी संपत्ति का निजी उपयोग किया जा रहा है, इसलिए अतिक्रमण तुरंत हटाया जाए। सुनवाई के दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बिलासपुर के रिट क्रमांक 866/2026 (डी.के. सोनी एवं अन्य बनाम शासन) में पारित आदेश की प्रति भी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की।

कब्जाधारी रितेश ने आरोप को निराधार बताया

अनावेदक, कब्जाधारी रितेश अग्रवाल पिता सुरेश अग्रवाल ने मामले में अपना जवाब पेश किया। उन्होंने पटवारी और आरआई की रिपोर्ट को गलत और पक्षपातपूर्ण बताया। इनका कहना था कि पंचनामा उनकी गैर मौजूदगी में बनाया गया। पुराने राजस्व नक्शों की सही जांच नहीं हुई। उन्होंने दावा किया कि उन पर लगा आरोप निराधार है। साथ ही दोनों पक्षों की मौजूदगी में दोबारा सीमांकन और संयुक्त निरीक्षण कराने की मांग की।

कोर्ट ने-राजस्व रिकार्ड में शासकीय सड़क माना

दोनों पक्षों की सुनवाई और दस्तावेजों के परीक्षण बाद न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि विवादित भूमि राजस्व रिकॉर्ड में शासकीय सड़क के रूप में दर्ज है। पटवारी रिपोर्ट और मौके की स्थिति से यह भी स्पष्ट है कि उस पर निर्माण कर कब्जा किया गया है। इसी आधार पर न्यायालय ने आदेश दिया कि-अनावेदक रितेश अग्रवाल 3 दिन के भीतर स्वयं अपने स्तर पर अतिक्रमण हटाएं। कब्जा हटाने के बाद पालन प्रतिवेदन न्यायालय में पेश करें। यदि 3 दिन में आदेश का पालन नहीं हुआ तो राजस्व विभाग, पुलिस बल के साथ जाकर बेदखली की कार्रवाई करेगा।

शासकीय भूमि पर कब्जा करने पर होगी कार्रवाई

जिला प्रशासन की ओर से राजस्व अधिकारियों ने कहा है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धारा 248 के तहत इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। आम जनता से सरकारी जमीन पर निर्माण से पहले वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह किया गया है। इस आदेश के बाद शहर में चर्चा इस बता पर हो रही है कि क्या तय समय सीमा में अतिक्रमण हटेगा या प्रशासन को बल प्रयोग करना पड़ेगा। अब सबकी नजर 3 दिन बाद होने वाली कार्रवाई पर टिकी हुई है।

प्रतिबंधित ई-सिगरेट बिक्री, डेली निड्स का संचालक गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रतिबंधित ई-सिगरेट बिक्री के मामले में पुलिस ने डेली निड्स, पान कॉर्नर के संचालक को गिरफ्तार किया है। आरोपित से 3 हजार नकद सहित कुल 55 हजार का 35 नग इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट पुलिस टीम ने जब्त किया है। मामले में आरोपी के विरुद्ध पुलिस टीम द्वारा अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की गई है। जानकारी के मुताबिक, 21 जुलाई को थाना गांधीनगर पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि आयुषी डेली नीड्स पान कार्नर का संचालक प्रांसु केसरी पिता स्व. कृष्णा कुमार केसरी, 24 साल निवासी बनारस रोड गांधीनगर अपनी दुकान में प्रतिबंधित इलेक्ट्रानिक सिगरेट का अवैध भण्डारण एवं विक्रय कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने रेड कार्रवाई की। तलाशी के दौरान आरोपी के दुकान से 35 नग इलेक्ट्रानिक सिगरेट, कीमत लगभग 52 हजार 500 रुपये एवं नकद राशि 3 हजार रुपये मिला। पुलिस ने आरोपी का कृत्य इलेक्ट्रानिक सिगरेट प्रतिषेध अधिनियम 2019 की धारा 4 का उल्लंघन होना पाये जाने पर धारा 7 एवं 8 के अंतर्गत तथा कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी से अनुज्ञप्ति प्राप्त नहीं होने के कारण धारा 223 बी.एन.एस. के तहत दंडनीय अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। प्रकरण में आरोपी को गिरफ्तार करके पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है। संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, उप निरीक्षक दिलीप दुबे, प्रशिक्षु उप निरीक्षक भारतीय मार्कण्डेय, विवेक चंद्राकर, सहायक उप निरीक्षक वरदान लकड़ा सक्रिय रहे।

ई-सिगरेट एवं फ्लेवर लिक्विड की लत भावी पीढ़ी को प्रभावित कर रही

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने भावी पीढ़ी को नशे की लत से बचाने एवं ऐसे नशे के विरुद्ध जागरूक करने हेतु मामले को संज्ञान में लेकर जिले के सभी शैक्षणिक संस्थान प्रमुख प्रधानाचार्य, प्राचार्यों, संचालकों एवं छात्र-छात्राओं के परिजनों व संरक्षकों से अपील जारी करके कहा है कि, ई सिगरेट एवं फ्लेवर लिक्विड की लत भावी पीढ़ी को प्रभावित कर रही है, ई-सिगरेट से होने वाली हानि के बारे में युवा पीढ़ी को जागरूक करना आवश्यक है। युवाओं, छात्र-छात्राओं को सचेत करने नशे की लत से छुटकारा दिलाने के क्रम में समाज का साथ आवश्यक है, ताकि इस प्रतिबंध को धरातल पर पूर्ण रूप से लागू किया जा सके। इस प्रकार के नशे से संबंधित किसी भी प्रकार की सार्थक सूचना आम नागरिक कंट्रोल रूम के नंबर 9479193599 अथवा डॉयल 112 पर दर्ज करा सकते हैं।

ब्लॉक प्लांटेशन के माध्यम से रोप जायेंगे 1717 नाशपाती के पौधे

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (वीबी जी रामजी) के अंतर्गत जिले में हरित विकास एवं ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में 23 जुलाई 2026 को विकासखंड शंकरगढ़ के ग्राम कोठली में वृहद ब्लॉक प्लांटेशन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस विशेष अभियान के तहत एक ही स्थल पर 1717 नाशपाती के पौधों का रोपण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ने के साथ-साथ भविष्य में फल उत्पादन एवं ग्रामीणों की आजीविका को भी मजबूती मिलेगी।

उद्यान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम ब्लॉक प्लांटेशन के माध्यम से क्षेत्र में फलदार वृक्षों को बढ़ावा देने, पर्यावरण संरक्षण को सशक्त बनाने तथा जलवायु संतुलन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। आने वाले वर्षों में यह प्लांटेशन क्षेत्र हरियाली के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए आर्थिक संबल का भी माध्यम बनेगा।

इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय ग्रामीण भी पौधरोपण अभियान में सहभागी बनेंगे। कार्यक्रम के दौरान पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प भी दिलाया जाएगा, ताकि लगाए गए पौधे भविष्य में विकसित होकर पर्यावरण और आजीविका दोनों को समृद्ध बना सकें। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधारोपण कर उसकी देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के इस जन अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।

अस्पताल में चिकन-शराब पार्टी का वीडियो वायरल

वार्ड बॉय व फार्मासिस्ट निलंबित, सफाई कर्मी की सेवा समाप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लटोरी में परिसर के भीतर कर्मचारियों द्वारा कथित रूप से चिकन और शराब पार्टी किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कड़ी कार्रवाई की है। सीएमएचओ डॉ. कपिल देव पैकरा ने मामले में प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए दो कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, वहीं एक संविदा सफाई कर्मी की सेवा समाप्त कर दी गई है।

जारी आदेश के अनुसार अस्पताल में पदस्थ वार्ड बॉय प्रेम कुशवाहा तथा फार्मासिस्ट ग्रेड 2 रंजीत जायसवाल को कार्य में लापरवाही बरतने और अस्पताल परिसर में मांस एवं मदिरा सेवन से जुड़ी घटना का

वीडियो सोशल मीडिया में प्रसारित होने के मामले में प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया। इसके आधार पर दोनों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत निलंबन की कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि के दौरान दोनों कर्मचारियों का मुख्यालय खंड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय ओड़गी निर्धारित किया गया है। वहीं मामले में शामिल चंद्रजीत राजवाड़े, जो जीवनदीप समिति अंतर्गत सफाई कर्मचारी के रूप में कार्यरत था, उसकी सेवाएं समाप्त करने का आदेश भी जारी कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि अस्पताल परिसर में शराबखोरी और अनुशासनहीनता से जुड़े मामलों की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी ऐसे मामलों की शिकायतें सामने आती रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे थे, जिसके बाद विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ दंडात्मक कदम उठाए हैं। अब मामले की विस्तृत जांच भी की जा रही है।

कांग्रेसियों ने बिश्रामपुर व लटोरी में धरना प्रदर्शन कर किया पुतला दहन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लॉक कमेटी सुरजपुर व लटोरी द्वारा गुरुवार को धरना प्रदर्शन व पीएम नरेंद्र मोदी का प्रतिकात्मक पुतला दहन किया गया। गौरतलब है कि कांग्रेस प्रदेश संयुक्त महामंत्री अनुपम फिलिप की अगुवाई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी पर नीट पेपर लीक, खराब अर्थव्यवस्था, बेतहाशा महंगाई कर देश के छात्रों का भविष्य खराब करने का आरोप लगा विरोध प्रदर्शन कर पीएम मोदी का पुतला दहन किया। इस दौरान कांग्रेस नेता नरेश राजवाड़े, अश्विनी सिंह, रमेश दनोदिया, जफर हैदर, धर्मेंद्र सिंह डीके, रणविजय सिंह, मनोज डालमिया, प्रेमजीत सिंह, आशीष यादव, पार्षद चंदन प्रताप सिंह, आकाश साहू, भावना सिंह नेताम, वीरेंद्र मिश्रा, विकास सिंह, मेहताब आलम, अविनाश यादव, सज्जाद खान, संजय सोनी, दिलीप सोनी, पार्षद वाहिद अहमद, हर्ष दनोदिया, संतोष जायसवाल, हुपेश प्रजापति, रूपनारायण राजवाड़े, नीरज सिंह, संदीप शर्मा, धर्मेंद्र सिंह बिट्टल, दीप्ति स्वाईं, छन्दा श्री, गीता पुरी, बीना शर्मा, रश्मि शर्मा, चंदा सिंह, राजकुमारी जायसवाल, निशा तिर्की, रितेश जायसवाल, हरक लाल राजवाड़े, राहुल सोनी, शालू मित्तल, अन्जू अंसारी, अखिलेश देवांगन, आशीष पांडेय, मो. मुर्तजा, अमित यादव सहित अन्य सक्रिय रहे। वहीं दूसरी ओर लटोरी में कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष कंवलबिहारी टेकाम के नेतृत्व में पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े की उपस्थिति में कांग्रेसियों द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया। यहां पर कांग्रेसियों द्वारा मोदी सरकार को जनविरोधी बताते हुए लोकसभा नेता प्रतिपक्ष

राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी के अलावा इंडिया गठबंधन के सांसदों के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने पर गहरी नाराजगी जताई। इस दौरान सुनील कुमार सारथी, दुष्यंत तिवारी, बुधराम राजवाड़े, विकास जायसवाल, राकेश, इन्द्रदेव राजवाड़े, बिंदु राजवाड़े, बबीता गुप्ता, अरविंद सिंह, गोवर्धन सिंह, रोहन राजवाड़े, अयोध्या जायसवाल, आनंद चौधरी, समीर सिंह, दिनेश राजवाड़े, सुनील प्रजापति, जरीना सुल्ताना, लिली राजवाड़े, धनुराम, रतन माली, देव राजवाड़े, त्रिलोचन लकड़ा व अन्य उपस्थित रहे।

मिठाई का लालच देकर 5 वर्षीय बच्चे को ले गया युवक, 9 घंटे बाद सकुशल बरामद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। रेलवे स्टेशन बिश्रामपुर के रैक प्वाइंट के समीप स्थित झुग्गी बस्ती से एक पांच वर्षीय बच्चे के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने से बुधवार शाम हड़कंप मच गया। परिजनों की सूचना पर बिश्रामपुर पुलिस ने देर रात तक सर्चिंग अभियान चलाया और करीब नौ घंटे बाद बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 137 (2), 173 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि बुधवार शाम करीब चार बजे एक मासूम बच्चा अन्य बच्चों के साथ रेलवे स्टेशन के पास मैदान में खेल रहा था। इसी दौरान एक युवक वहां पहुंचा और बच्चों को मिठाई खिलाने लगा। बच्चों के अनुसार युवक ने पांच वर्षीय बच्चे को मोबाइल और मिठाई का पैकेट देकर अपने साथ घूमने चलने की बात कही और उसे वहां से ले गया।

काफी देर तक बच्चा घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। साथ खेल रहे बच्चों से पूछताछ में मिठाई का लालच देकर युवक द्वारा बच्चे को ले जाने की जानकारी मिलने पर परिजन सीधे बिश्रामपुर थाने पहुंचे। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल खोजबीन शुरू कर दी, लेकिन देर रात तक बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर मध्यरात्रि में पुनः सघन सर्चिंग अभियान चलाया। लगातार तलाश के बाद पुलिस ने रात्रि करीब 1.45 बजे बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। दूसरे दिन पूछताछ में बच्चे ने बताया कि युवक उसे मोबाइल और मिठाई देकर अपने साथ ले जाकर तथा एक ट्रक के केबिन में उसका मुंह बांधकर रखा था। घटना रेलवे रैक प्वाइंट में खड़े ट्रकों के बीच घटित होना बताया जा रहा है। पुलिस ने बच्चे के बताए अनुसार एक संदिग्ध ट्रक को थाने में खड़ा कर उसके मालिक से पूछताछ शुरू कर दी है। हालांकि ट्रक मालिक के बयान में विरोधाभास सामने आने से मामला और उलझ गया है। आरोपी युवक घटना के बाद से फरार बताया जा रहा है। मासूम बच्चे के साथ अप्राकृतिक यौन शोषण किए जाने की बात भी परिजन द्वारा कही जा रही है, हालांकि इसकी फिलहाल पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस इस पहलू सहित मामले के सभी बिंदुओं की गंभीरता से जांच कर रही है। रैक प्वाइंट और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

बच्चे की सकुशल बरामदगी से जहां परिजनों ने राहत की सांस ली है, वहीं इस घटना ने क्षेत्र में बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

व्यापारियों को वितरित किए गए 5, 10 और 20 रुपए के सिक्के

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। स्थानीय व्यापारियों को खुले पैसों की समस्या से राहत दिलाने के उद्देश्य से बस स्टैंड बिश्रामपुर में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया बिश्रामपुर के संयुक्त तत्वावधान में पांच, दस व बीस रुपए के सिक्कों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की सुविधा और दैनिक कारोबार को सुगम बनाने के लिए इस प्रकार के आयोजन आगे भी किए जाते रहेंगे, ताकि चेंज पैसों सिक्कों की उपलब्धता बनी रहे और लेन-देन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इस दौरान जतिन तायल, विजय गोयल कालू, प्रदीप गर्ग, नितिन गोयल और सावन गोयल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे। व्यापारियों ने अपनी आवश्यकता के अनुसार सिक्के प्राप्त किए और इस पहल की सराहना की।

महाप्रबंधक कार्यालयों का 10 अगस्त को किया जाएगा घेराव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोल इंडिया और उसकी अनुषंगी कंपनियों के लाखों कोयला श्रमिकों से जुड़े लंबित मुद्दों को लेकर चार केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। एटक, एचएमएस, सीटू, इंटक की संयुक्त फेडरेशन की ऑनलाइन जूम बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 10 अगस्त को कोल इंडिया और उसकी सभी अनुषंगी कंपनियों के सभी क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालयों का संयुक्त घेराव कर एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता आईएमडब्ल्यूएफ के महासचिव रामेन्द्र कुमार ने की। इसमें चारों केंद्रीय श्रमिक संगठनों के 28 प्रतिनिधियों ने भाग लेकर आंदोलन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। नेताओं ने कहा कि श्रमिकों की वर्षों से लंबित मांगों पर प्रबंधन की ओर से अपेक्षित पहल नहीं होने के कारण अब व्यापक आंदोलन का रास्ता अपनाना आवश्यक हो गया है। बैठक में एटक की ओर से रामेन्द्र कुमार, अशोक यादव, लखनलाल महतो, अजय विश्वकर्मा और सीजे जोसेफ, एचएमएस की ओर से हरभजन सिंह सिद्धू और अशोक पांडेय,

इंटक की ओर से कुमार जय मंगल सिंह और एसक्यू जामा, जबकि सीटू की ओर से डीडी रामानंदन, वीएम मनोहर तथा के. श्रीवास्तव सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में तय किया गया कि 10 अगस्त के आंदोलन का मुख्य उद्देश्य कोयला श्रमिकों की दो अहम मांगों को लेकर दबाव बनाकर जेबीसीसीआई 12 का तत्काल गठन, 11 वें वेतन समझौते के लंबित मुद्दों का शीघ्र क्रियान्वयन की मांग की जाएगी। श्रमिक नेताओं का कहना है कि इन मांगों के लंबे समय से लंबित रहने से कर्मचारियों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जा सकता है।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 11 और 12 सितंबर को रांची में चारों कोल फेडरेशनों का संयुक्त कोल कन्वेंशन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में देशभर के कोयला क्षेत्रों से बड़ी संख्या में प्रतिनिधि जुटेंगे और आगे की रणनीति तय की जाएगी। साथ ही चारों फेडरेशन संयुक्त रूप से कोल इंडिया के अध्यक्ष को पत्र भेजकर लंबित मांगों के शीघ्र समाधान की मांग भी करेंगी। चारों केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने एसईसीएल सहित कोल इंडिया की सभी अनुषंगी कंपनियों के कर्मचारियों और यूनियन पदाधिकारियों से 10 अगस्त के आंदोलन को सफल बनाने के लिए अभी से व्यापक तैयारी शुरू करने का आह्वान किया है। इसके तहत प्रत्येक क्षेत्र में संयुक्त बैठकें आयोजित कर आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी और अधिक से अधिक श्रमिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास होगा। कोयला उद्योग में इस संयुक्त आंदोलन को आगामी वेतन वार्ता और श्रमिक हितों से जुड़े मुद्दों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यदि मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होती है तो आने वाले महीनों में आंदोलन और तेज होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। उक्ताशय की जानकारी एटक महासचिव अजय विश्वकर्मा ने दी है।

तनाव प्रबंधन एवं आत्महत्या रोकथाम हेतु कार्यशाला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ. केडी पैकरा के मार्गदर्शन में तनाव प्रबंधन एवं आत्महत्या रोकथाम कार्यशाला का आयोजन 10 वीं बटालियन कनकपुर सिलफिली में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षा बल के जवानों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, कार्यस्थल के तनाव से प्रभावी ढंग से निपटने के उपाय बताना तथा आत्महत्या की रोकथाम हेतु समय रहते पहचान एवं सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना था। साथ ही कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय की मानसिक स्वास्थ्य की टीम से क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट सचिन मातुरकर एवं साइकेट्रिक सोशल वर्कर प्रियंका मंडल ने जवानों को मानसिक तनाव के लक्षण, कारण एवं तनाव से उत्पन्न होने वाले शारीरिक एवं मानसिक प्रभाव को बताते हुए तनाव प्रबंधन हेतु सकारात्मक सोच, भावनात्मक संतुलन, प्रभावी संवाद, समस्या-

समाधान कौशल तथा तनाव प्रबंधन की व्यावहारिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की अगली कड़ी में आत्महत्या के चेतावनी संकेतों, जोखिम कारकों एवं समय पर परामर्श एवं उपचार के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला को अधिक प्रभावी बनाने गहरी श्वास, रिलैक्सेशन एक्सरसाइज, माइंडफुलनेस तथा समूह गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन अभ्यासों के माध्यम से उन्हें दैनिक जीवन एवं ड्यूटी के दौरान तनाव को नियंत्रित करने के सरल एवं प्रभावी उपाय सिखाए गए। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि सुरक्षा बलों के जवानों का मानसिक रूप से स्वस्थ एवं सशक्त होना उनकी कार्यक्षमता, अनुशासन तथा व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में जवानों ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया तथा तनावमुक्त एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत भविष्य में भी समाज के विभिन्न वर्गों के लिए ऐसे जन-जागरूकता एवं क्षमता-विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम में 10 वीं वाहिनी के असिस्टेंट कमांडेंट सुधीर कुजूर, बीपी सिंह, कविता ठाकुर, हेड कांस्टेबल अशोक साहू एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सर्पदंश की पहचान, वैज्ञानिक उपचार एवं एंटी स्नेक वेनम के सही उपयोग की दी गई जानकारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में सर्पदंश से होने वाली मृत्यु एवं गंभीर जटिलताओं को कम करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सर्पदंश रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संगवारी संस्थान के सहयोग से स्वास्थ्यकर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण में डीएनबी फैमिली मेडिसिन एवं विशेषज्ञ प्रशिक्षक डॉ. चौतन्य मलिक ने स्वास्थकर्मियों को सर्पदंश की पहचान, प्राथमिक उपचार, एंटी स्नेक वेनम के वैज्ञानिक एवं सही उपयोग, विषैले एवं अविषैले सर्पों की पहचान तथा रैपिड प्रोटोकॉल के अनुसार उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी उपचार की प्रक्रिया के बारे में भी बताया। प्रशिक्षण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने कहा कि सर्पदंश जिले के लिए एक महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य चुनौती है और प्रशिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्यकर्मियों के द्वारा सर्पदंश

पीड़ितों को समय पर गुणवत्तापूर्ण एवं वैज्ञानिक उपचार उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एंटी स्नेक वेनम एवं उचित उपचार से अधिकांश सर्पदंश पीड़ितों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक अथवा घरेलू उपचार के बजाय पीड़ित को तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने के लिए समुदाय में जागरूकता बढ़ाने को कहा। साथ ही जंगल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों को सर्पदंश से बचाव के उपायों एवं बरती जाने वाली सावधानियों के बोर में लोगों को जागरूक करने को कहा।

कार्यशाला में जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों से आए स्टाफ नर्स, चिकित्सा अधिकारियों एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी शामिल हुए।

गांव-गांव पहुंच रही एग्रीस्टैक की टीम, एग्रीस्टैक पंजीयन से बनेगी किसान की डिजिटल पहचान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में किसानों को शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में एग्रीस्टैक पंजीयन अभियान निरंतर जारी है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम गांव-गांव पहुंचकर किसानों का पंजीयन कर रही है। अभियान के तहत किसानों के आधार, भूमि अभिलेख एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कर पंजीयन किया जा रहा है। जिले के सभी किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य रूप से पूर्ण कराएं, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

एग्रीस्टैक पंजीयन किसानों के लिए लाभकारी पहल

एग्रीस्टैक के माध्यम से प्रत्येक किसान की डिजिटल किसान पहचान तैयार की जा रही है। इससे किसान की भूमि एवं कृषि संबंधी जानकारी का एकीकृत डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा तथा शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पारदर्शी एवं सरल तरीके से उपलब्ध कराया जा सकेगा।

एग्रीस्टैक पंजीयन नहीं कराने पर हो सकती हैं ये असुविधाएं

समय पर एग्रीस्टैक पंजीयन नहीं कराने पर भविष्य में धान खरीदी, किसान पंजीयन, डिजिटल कृषि सेवाओं तथा किसान रजिस्ट्री आधारित शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है। एग्रीस्टैक पंजीयन से कृषि योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया सरल होगी।धान खरीदी सहित किसान रजिस्ट्री आधारित प्रक्रियाओं में सुविधा मिलेगी। भूमि एवं कृषि संबंधी जानकारी का प्रमाणित डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा।

एग्रीस्टैक पंजीयन कैसे कराएं किसान

किसान अपने एग्रीस्टैक पंजीयन के लिए अपने नजदीकी लोक सेवा केंद्र, ग्राम पंचायत, संबंधित पटवारी, तहसील कार्यालय अथवा कृषि विभाग द्वारा लगाए जा रहे विशेष पंजीयन शिविरों में संपर्क कर सकते हैं। जिले में प्रशासन द्वारा गांव-गांव पहुंचकर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि किसानों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

किसान स्वयं भी कर सकते हैं एग्रीस्टैक पंजीयन

किसान चाहें तो छत्तीसगढ़ के आधिकारिक पोर्टल https://cgfr.agristack.gov.in/farmer-registry-cg पर जाकर स्वयं भी अपना पंजीयन कर सकते हैं। इसके लिए किसान के पास आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर, भूमि अभिलेख (बी-1) तथा आवश्यक व्यक्तिगत जानकारी आवश्यक है।

पीएम श्री स्कूल में प्यासे नौनिहाल, बंद पड़े शौचालय, मा. शाला के लिए भी ढोना पड़ रहा पानी

महुली विद्यालय में बोरवेल की मांग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए संचालित पीएम श्री योजना के दावों के बीच सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड स्थित पीएम श्री प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला महुली की तस्वीर पूरी तरह अलग नजर आ रही है। यहां पढ़ने वाले बच्चे आज भी पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित हैं। विद्यालय परिसर में पानी नहीं होने से छात्र छात्राओं को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि पानी के अभाव में स्कूल के शौचालय भी उपयोग के लायक नहीं रह गए हैं, पानी जबकि मध्यान्ह भोजन तैयार करने के लिए भी रसोइयों को दूर से पानी लाना पड़ रहा है। विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों और अभिभावकों का कहना है कि पानी की समस्या वर्षों पुरानी है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। स्कूल परिसर में न तो अपना बोरवेल है और न ही नियमित जलापूर्ति की व्यवस्था। परिणामस्वरूप बच्चों को पढ़ाई के समय पानी की तलाश में बाहर जाना पड़ता है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार, पहले आंगनबाड़ी केंद्र के पीछे से पाइपलाइन बिछाकर विद्यालय तक पानी पहुंचाने का प्रयास किया गया था। इस कार्य पर हजारों रुपये खर्च हुए, लेकिन पाइपलाइन बार-बार टूटती रही। हर बार मरम्मत और रिपेयरिंग के नाम पर सरकारी राशि खर्च होती रही, परंतु व्यवस्था कुछ ही दिनों में फिर ठप हो जाती है। इसके बाद दूर स्थित सोलर ड्यूल पंप से पाइपलाइन जोड़कर पानी उपलब्ध कराने का प्रयास भी किया गया, लेकिन यह व्यवस्था भी सफल नहीं हो सकी। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार पाइपलाइन सुधार पर सरकारी धन खर्च हो रहा है, लेकिन बच्चों को स्थायी पेयजल सुविधा आज तक नहीं मिल सकी। पानी की कमी का सबसे अधिक असर विद्यालय की स्वच्छता व्यवस्था पर पड़ा है। शौचालयों में पानी नहीं होने से छात्र-छात्राएं उनका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। वहीं मध्यान्ह भोजन बनाने वाली रसोइयों को प्रतिदिन दूर-दराज से पानी लाकर भोजन तैयार करना पड़ता है। इससे भोजन व्यवस्था और साफ-सफाई दोनों प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पीएम श्री विद्यालय में स्मार्ट क्लास, डिजिटल शिक्षा और अन्य आधुनिक सुविधाओं की चर्चा होती है, लेकिन जब बच्चों को पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं है, तब ऐसी योजनाओं का उद्देश्य अधूरा दिखाई देता है। स्कूल प्रबंधन समिति, ग्राम पंचायत, शिक्षक, अभिभावक और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से विद्यालय परिसर में तत्काल नया बोरवेल कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि स्कूल परिसर में बोरवेल स्थापित कर दिया जाए तो बच्चों को नियमित पेयजल मिलेगा, शौचालय चालू हो जाएंगे, मध्यान्ह भोजन बनाने में परेशानी नहीं होगी और बार-बार पाइपलाइन मरम्मत पर होने वाला सरकारी खर्च भी रुक जाएगा।

कलेक्टर ने छात्राओं से सीधे संवाद कर जानी छात्रावास की जमीनी हकीकत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर, सुकमा जिला प्रशासन सुकमा शिक्षा व्यवस्था और संवेदनशील गवर्नेंस को मजबूत करने के लिए लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री अमित कुमार ने बुधवार को कोंटा विकासखंड मुख्यालय स्थित पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास सहित बालक छात्रावास इंजरम और बिरला बालिका छात्रावास कोंटा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री मुकुंद ठाकुर एवं सहायक आयुक्त श्री हेमंत सिंहा भी उपस्थित रहे। निरीक्षण का उद्देश्य छात्रावासों में रह रहे विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना था। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्रावासों में संधारित विभिन्न पंजियों एवं रिकॉर्ड्स का बारीकी से अवलोकन किया और बिजली, पेयजल, स्वच्छता सहित विद्यार्थियों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने छात्रावास की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर के इस औचक निरीक्षण से प्रशासन की जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं की निगरानी और विद्यार्थियों की सुविधाओं के प्रति गंभीरता स्पष्ट रूप से सामने आई। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री अमित कुमार ने छात्राओं से आत्मीयता के साथ सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई, भोजन और छात्रावास की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।

उद्यानिकी फसलों में मौसम आधारित फसल बीमा खरीफ 2026-27 लागू, बीमा कराने की अवधि 31 जुलाई तक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्य शासन कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उद्यानिकी फसलों में पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ मौसम में फसल बीमा कराने हेतु 31 जुलाई 2026 तक समय सीमा तय किया गया है। उद्यानिकी फसलों की खेती कर रहे किसानों को विपरीत मौसम जैसे कम तापमान, अधिक तापमान, बीमारी अनुकूल मौसम, कीट व्याधियो का प्रकोप, लगातार अवर्षा की स्थिति निर्मित होना ओला वृष्टि आदि से होने वाले नुकसान से बचाने पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा लागू की गई है। खरीफ वर्ष 2026 में दुर्ग जिले अन्तर्गत बीमा कराने वाले कृषकों को अधिसूचित फसल के अनुसार निर्धारित कुल बीमित राशि का अधिकतम 5 प्रतिशत अथवा वास्तविक प्रीमियम जो भी कम हो राशि कृषक अंश के रूप में ऋणि एवं अऋणि दोनो प्रकार के कृषको को जमा करने होंगें। अऋणि कृषक फसल लगाने का स्वघोषित प्रमाण पत्र, नक्शा खसरा, आधार कार्ड अपने बैंक पासबुक की छाया प्रति जिसमें आईएफएससी कोड इत्यादि का उल्लेख हो, जमा कर बीमा करा सकते है। योजना के अंतर्गत ऋणी कृषकों के लिये विकल्प चयन के आधार पर क्रियान्वित होगी।

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें-लोकेश कावड़िया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम, समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत दिव्यांगजनों के आर्थिक सशक्तिकरण, कौशल विकास एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष श्री लोकेश कावड़िया की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन आज शाम महासमुंद कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। बैठक में कलेक्टर श्री विनय लंगेह, प्रबंध संचालक डॉ. पंकज वर्मा, समाज कल्याण विभाग की उप संचालक श्रीमती संगीता सिंह सहित दिव्यांगजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर निगम के अध्यक्ष श्री लोकेश कावड़िया द्वारा दिव्यांगजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। बैठक में दिव्यांगजनों द्वारा तैयार किए सामग्रियों का भी प्रदर्शन किया गया।बैठक में दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष श्री लोकेश कावड़िया ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से दिव्यांगजनों को रियायती ब्याज दर पर स्वरोजगार हेतु ऋण, समय पर ऋण चुकाने पर ब्याज सब्सिडी तथा कौशल विकास प्रशिक्षण जैसी अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने दिव्यांगजनों से इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाकर स्वयं का रोजगार स्थापित करने और आर्थिक रूप से सशक्त बनने का आह्वान किया।प्रबंध संचालक डॉ. पंकज वर्मा ने निगम की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले पात्र हितग्राहियों को परियोजना की आवश्यकता के अनुसार 10 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही समय पर ऋण अदायगी करने वाले हितग्राहियों को ब्याज सब्सिडी का लाभ भी दिया जाता है। उन्होंने कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं विशिष्ट उद्यमी मित्र तथा विशिष्ट प्रशिक्षण मित्र की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।कलेक्टर श्री विनय लंगेह ने कहा कि जिला प्रशासन दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास एवं उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध ढंग से पहुंचाने तथा अधिक से अधिक दिव्यांगजनों को स्वरोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए।उपसंचालक समाज कल्याण श्रीमती संगीता सिंह ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए हितग्राहियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और योजनाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया से अवगत कराया। बैठक में बताया गया कि महासमुन्द जिले में अब तक 218 दिव्यांगजनों को लगभग 6 करोड़ 80 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध कराया जा चुका है, जिससे अनेक हितग्राही स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित दिव्यांगजनों ने अपने अनुभव साझा किए तथा शासन द्वारा संचालित योजनाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा करने जिला पंचायत सीईओ ने ली बैठक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा करने कांकेर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में दुगूर्कोंदल, भानुप्रतापपुर एवं कांकेर विकासखंड के जनपद पंचायत सीईओ, नोडल अधिकारी, ब्लॉक समन्वय एवं अल्प प्रगति वाली ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव शामिल हुए। बैठक में आवास पूर्णता की स्थिति की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने सभी लंबित आवासों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बेहतर कार्ययोजना बनाकर साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित करने, सुदूर क्षेत्रों में 5 से 10 हितग्राहियों द्वारा सामूहिक रूप से निर्माण सामग्री परिवहन कर लागत कम करने तथा अप्रारंभ आवासों को शीघ्र शुरू कराने पर जोर दिया। सीईओ ने निर्देशित किया कि हितग्राहियों से राशि लेकर फरार होने वाले ठेकेदारों एवं मिस्त्रियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाए। साथ ही पंचायत प्रतिनिधि, ग्राम के गायता, पटेल एवं समाज प्रमुखों के सहयोग से हितग्राहियों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें आवास निर्माण के लिए प्रेरित करें। अप्रारंभ पड़े आवासों को जल्दी प्रारंभ करने तथा ग्राम पंचायत स्तर पर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि ऐसे हितग्राही जो आवास नहीं बना पा रहे हैं उन्हें ग्राम पंचायत स्तर पर आवश्यक मदद कर आवास पूर्ण कराए। साथ ही आवास टीमों को लगातार क्षेत्र भ्रमण करने, खराब प्रगति वाले पंचायतों में विशेष निगरानी रखने तथा लापरवाही बरतने वालों को चेतावनी देकर सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एपीओ, डीसी सहित विकासखण्ड स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम झुराडबरी में अवैध प्लॉटिंग के लिए पहाड़ काटकर बनाया गया रास्ता ध्वस्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निदेर्शानुसार राजनांदगांव जिले में शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण एवं अवैध प्लॉटिंग के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम झुराडबरी में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पहाड़ काटकर अवैध प्लॉटिंग की नीयत से बनाए गए कच्चे रास्ते को बुलडोजर से ध्वस्त कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। राजस्व विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम झुराडबरी स्थित शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 672, रकबा 32.9723 एकड़ पर स्थित पहाड़ को काटकर अवैध रूप से कच्चा रास्ता तैयार किया गया था। कलेक्टर के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री गौतम पाटिल के नेतृत्व में राजस्व अमले ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की सहायता से अवैध रास्ते को हटाते हुए शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। इसी कार्रवाई के दौरान खसरा क्रमांक 563/1, 563/2 एवं 563/3 के सामने शासकीय नाले को पाटकर बनाए गए अवैध रास्ते को भी हटाया गया। जिला प्रशासन ने नाले को उसके मूल स्वरूप में बहाल करते हुए जल निकासी व्यवस्था को पुनः सुचारू किया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि, नाला, पहाड़, चरनोई तथा अन्य सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा, निर्माण अथवा प्लॉटिंग किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार श्रीमती सुरेखा वर्मा, राजस्व निरीक्षक, पटवारी तथा राजस्व विभाग का अमला उपस्थित थे।

शहर में सरकारी सड़क पर कब्जा, तहसील न्यायालय ने जारी किया बेदखली आदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शहर की शासकीय सड़क भूमि पर कथित अतिक्रमण के मामले में राजस्व न्यायालय ने महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। न्यायालय ने भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 248 के तहत कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि पर बने भवन, कार्यालय, फैक्ट्री एवं बाउंड्रीवाल को अतिक्रमण मानते हुए संबंधित कब्जाधारी को बेदखल करने का आदेश जारी किया है। राजस्व अभिलेखों के अनुसार खसरा क्रमांक 2630, कुल रकबा 1.975 हेक्टेयर, शासकीय सड़क मद में दर्ज है। पटवारी हल्का क्रमांक-08 की रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कि इस भूमि में से लगभग 0.033 हेक्टेयर पर पक्का ट्रिपल स्टोरी भवन, कार्यालय, फैक्ट्री एवं बाउंड्रीवाल का निर्माण कर कब्जा किया गया है। इसी आधार पर राजस्व न्यायालय में प्रकरण दर्ज कर सुनवाई प्रारंभ की गई। सुनवाई के दौरान आपत्तिकर्ता कुंजबिहारी ने न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत करते हुए कहा कि सरकारी भूमि पर बने भवन में फैक्ट्री का संचालन किया जा रहा है तथा अतिक्रमण हटाया जाना आवश्यक है। दूसरी ओर अनावेदक रितेश अग्रवाल ने न्यायालय में विस्तृत जवाब पेश कर पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक की रिपोर्ट को पक्षपातपूर्ण और तथ्यों के विपरीत बताया। उन्होंने दावा किया कि पंचनामा उनकी अनुपस्थिति में तैयार किया गया, पुराने राजस्व नक्शों का सही परीक्षण नहीं किया गया तथा शासकीय भूमि पर कब्जे का आरोप निराधार है। उन्होंने दोनों पक्षों की उपस्थिति में पुनः सीमांकन और संयुक्त स्थल निरीक्षण कराने की मांग भी की। प्रकरण की सुनवाई के दौरान आपत्तिकर्ता ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के रिट क्रमांक 866/2026 डी.के. सोनी एवं अन्य बनाम शासन में पारित आदेश की प्रति भी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की। राजस्व न्यायालय ने पटवारी की रिपोर्ट, अभिलेखों एवं प्रस्तुत दस्तावेजों का परीक्षण करने के बाद माना कि संबंधित भूमि शासकीय सड़क के रूप में दर्ज है तथा उस पर निर्माण कर कब्जा किया जाना प्रमाणित होता है। इसके आधार पर न्यायालय ने अतिक्रमण हटाने एवं संबंधित व्यक्ति को बेदखल करने का आदेश पारित किया। आदेश में निर्देश दिया गया है कि संबंधित अनावेदक तीन दिवस के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाकर न्यायालय में पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। निर्धारित अवधि में आदेश का पालन नहीं होने पर राजस्व विभाग नियमानुसार बेदखली की कार्रवाई करेगा।

जवानों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने हुई कार्यशाला

तनाव प्रबंधन एवं आत्महत्या रोकथाम हेतु किया गया आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर।कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के. डी. पैकरा के मार्गदर्शन में तनाव प्रबंधन एवं आत्महत्या रोकथाम कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षा बल के जवानों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, कार्यस्थल के तनाव से प्रभावी ढंग से निपटने के उपाय बताना तथा आत्महत्या की रोकथाम हेतु समय रहते पहचान एवं सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना था। इसके साथ ही कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय की मानसिक स्वास्थ्य की टीम से क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट सचिन मातुरकर एवं साइकेट्रिक सोशल वर्कर प्रियंका मंडल ने जवानों को मानसिक तनाव के लक्षण, कारण एवं तनाव से उत्पन्न होने वाले शारीरिक एवं मानसिक प्रभाव को बताते हुए तनाव प्रबंधन हेतु सकारात्मक सोच, भावनात्मक संतुलन, प्रभावी संवाद, समस्या समाधान कौशल तथा तनाव प्रबंधन की व्यावहारिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की अगली कड़ी में आत्महत्या के चेतावनी संकेतों, जोखिम कारकों एवं समय पर परामर्श एवं उपचार के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला को अधिक प्रभावी एवं सहभागितापूर्ण बनाने के लिए गहरी श्वास, रिलैक्सेशन एक्सरसाइज, माइंडफुलनेस तथा समूह गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन अभ्यासों के माध्यम से उन्हें दैनिक जीवन एवं ड्यूटी के दौरान तनाव को नियंत्रित करने के सरल एवं प्रभावी उपाय सिखाए गए।इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों के जवानों का मानसिक रूप से स्वस्थ एवं सशक्त होना उनकी कार्यक्षमता, अनुशासन तथा व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में जवानों ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया तथा तनावमुक्त एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

सम्पादकीय

अधिक संवेदनशील बने सरकार और विपक्ष

देश में पेपर लीक की घटनाओं को लेकर छात्र कई दिनों से जंतर-मंतर पर आंदोलनरत हैं। वहीं, किसानों ने भी अमेरिका से प्रस्तावित कृषि व्यापार समझौता (इंडिया-यूएस ट्रेड डील) को लेकर दिल्ली के किसान घाट पर महापंचायत का ऐलान किया है। इन आंदोलनों पर सरकार और विपक्ष को और अधिक संवेदनशील होना होगा। हालांकि सरकार द्वारा पेपर लीक के दोषियों पर सख्त कार्रवाई के संकेत मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसे 'घोर पाप' और 'राष्ट्रीय चिंता' का विषय बताया है। एनडीए संसदीय दल की बैठक में उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। हालांकि केवल कार्रवाई की घोषणा भर पर्याप्त नहीं है। छात्रों का विश्वास तभी लौटेगा, जब भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सुरक्षित और समयबद्ध होगी। बार-बार पेपर लीक होने से लाखों युवाओं की मेहनत, समय और मानसिक संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वर्षों तक तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा रद्द होने, दोबारा परीक्षा कराने और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए सरकार को तकनीकी सुरक्षा बढ़ाने, परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय करने और दोषियों को शीघ्र एवं कठोर दंड दिलाने की दिशा में निरंतर प्रयास करने होंगे। इससे युवाओं में व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत होगा। वहीं, लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उसकी जिम्मेदारी केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि जनता की वास्तविक समस्याओं को रचनात्मक ढंग से उठाना भी है। छात्रों और किसानों जैसे संवेदनशील वर्गों के मुद्दों पर विपक्ष को तथ्यों के आधार पर सरकार से जवाब मांगना चाहिए और समाधान के लिए सकारात्मक सुझाव भी देने चाहिए। किसानों की चिंताओं को भी गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। अमेरिका के साथ प्रस्तावित कृषि व्यापार समझौते को लेकर किसानों के मन में यह आशंका है कि इससे उनकी आय, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), कृषि बाजार और घरेलू उत्पादन प्रभावित हो सकते हैं। यदि किसानों के मन में किसी प्रकार की शंका है, तो सरकार का दायित्व है कि वह उनसे सीधे संवाद करे, समझौते के प्रावधानों की स्पष्ट जानकारी दे और यह भरोसा दिलाए कि किसी भी निर्णय में किसानों के हितों की अनदेखी नहीं होगी। दूसरी ओर, किसानों को भी अपनी मांगों को लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से रखने के साथ-साथ वार्ता को प्राथमिकता देनी चाहिए। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन स्थायी समाधान बातचीत, आपसी विश्वास और सहमति से ही निकलते हैं। सरकार और किसान संगठनों के बीच नियमित संवाद की व्यवस्था बने, ताकि किसी भी विवाद को समय रहते सुलझाया जा सके और टकराव की स्थिति पैदा न हो। युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति और उम्मीद हैं, वहीं किसान देश के अन्नदाता। यदि इन दोनों वर्गों में असंतोष बढ़ता है, तो उसका असर केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थिरता और विकास पर भी पड़ता है। इसलिए सरकार और विपक्ष दोनों को अपने राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर इन वर्गों की भावनाओं, अपेक्षाओं और समस्याओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। जब सरकार, विपक्ष, छात्र और किसान सभी संवाद तथा सहयोग का मार्ग अपनाएंगे, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा और देश का विकास अधिक संतुलित एवं समावेशी बन सकेगा।

मुद्दा
प्रमोद भार्गव

बलूचिस्तान में स्वघोषित आजादी

पब्लिक ऑफ बलूचिस्तान के नाम से सोशल मीडिया पर एक स्वघोषित बयान और पत्र वायरल हुए हैं, जिसमें बलूच नेता मीर यार बलूच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलूच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिल जाने की उम्मीद करने लगे हैं।

हालांकि इस हत्याकांड के बाद पाक सेना ने बलूचिस्तान में फ्रंटियर कोर, पुलिस व आतंकवाद निरोधक बल के साथ ऑपरेशन शाबान शुरू कर दिया है। पाक के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजरायली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। पाक सेना ने लड़कों के पास से स्टारलिंग उपकरण जब्त किए हैं। पाक सेना का यह भी आरोप है कि अफगानिस्तान बीएलए को विद्रोही बलूचों ने करीब 85 प्रतिशत बलूचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है। बलूच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है। यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाक आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। यही वह क्षेत्र है, जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं। यही पाकिस्तान की अर्थव्यस्था की रीढ़ है। बलूचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है। बलूचिस्तान को नए देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा। 1971 में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाक के दो टुकड़े कर दिए थे। अब बलूच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलूचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं। प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलूच वहां के लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाने जाते हैं। बलूचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलूच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है। बलूचों की स्वतंत्रता की संभावना का अहसास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने भी जताया है। उनका कहना है कि बलूचिस्तान पर अब सेना और सरकार का नियंत्रण ढीला पड़ रहा है। यहां के हालात इतने खराब हैं कि सरकारी मंत्री तक बाहरी सुरक्षा के बिना बाहर नहीं निकल सकते हैं। सेना के जवान अपने ही देश में बंकरों में छिपे हैं। बलूचिस्तान में विद्रोह की आग चरम पर है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी आजादी की मांग करने वाला सबसे पुराना सशस्त्र अलगाववादी संगठन है। यह संगठन पहली बार 1970 में अस्तित्व में आया था। इसने जुल्फिकार अली भुट्टो के कार्यकाल में बलूचिस्तान प्रांत में सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद कर किया था। कालांतर में सैनिक तानाशाह जिया उल हक द्वारा सत्ता हथियाने के

बाद बलूच नेताओं के साथ बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम की स्थिति बन गई थी। नतीजतन बलूचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह खत्म हो गया था और बीएलए का भी कोई वजूद नहीं रह गया था। किंतु कारगिल युद्ध के बाद सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली। इसके बाद मुशर्रफ के संकेत पर साल 2000 में बलूचिस्तान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवाबमिरी की हत्या कर दी गई और मुशर्रफ ने कुटिल चतुराई बरतते हुए पाक सेना से इस मामले में आरोपी के रूप में बलूच नेता खेरबक्ष मिरी को गिरफ्तार करा दिया। इसके बाद फिनिक्स पक्षी की तरह बीएलए फिर उठ खड़ा हुआ। जगह-जगह हमले शुरू हो गए।

साल 2020 में एकाएक बीएलए की ताकत बढ़ गई और बलूचिस्तान के सरकारी प्रतिष्ठानों तथा सुरक्षाबलों पर हमलों की संख्या बढ़ती चली गई। बीएलए बलूचिस्तान में चीन के प्रभाव को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि चीन बलूचिस्तान की प्राकृतिक संपदा को हड़पने का काम कर रहा है। इसी नजरिए से ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के साथ एक बड़ा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भी बना रहा है। दरअसल, भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के समय बलूचिस्तान को बलूचों की इच्छा के बिना बंदूक के जोर पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था। जबकि वे स्वयं को एक स्वतंत्र देश के रूप में देखना चाहते थे। अतएव पाक की स्वतंत्रता के समय से ही बलूचों का संघर्ष पाक सरकार और सेना से निरंतर बना हुआ है। बीएलए जब साल 2000 में वजूद में आया था, तब इसके लड़ाकों की संख्या 6000 से भी ज्यादा थी। सरदार अकबर खान बुगती एक समय बलूचिस्तान के सर्वमान्य नेता रहे हैं। इसीलिए वे बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री भी रहे थे। 26 अगस्त 2006 को पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने उनकी हत्या कर दी थी। तभी से यह संगठन पाक सेना से लोहा ले रहा है। वर्तमान में बलूच अलगाववादी और तालिबान के बीच निरंतर निकटता बढ़ रही है। वैसे भी अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के काबिज होने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं बढ़ गई हैं। पाक सरकार ने भी स्वीकार किया है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ही बलूच लड़ाकों को प्रशिक्षित कर रहा है। बलूचिस्तान प्रांत में अब महिलाओं ने भी बीएलए के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बलूच नागरिकों के दमन चक्र के विरुद्ध मोर्चा खोल लिया है। इस सच्चाई को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी स्वीकारा है। पाक की कुल भूमि का 43.6 फीसदी हिस्सा केवल बलूचिस्तान का है, लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलूच हैं, पाक की कुल आबादी में इनकी छह प्रतिशत की भागीदारी है। इसका कुल क्षेत्रफल 3,47,190 वर्ग किमी है। यहां हिंदू, सिख और ईसाई भी रहते हैं। 1999 में परवेज मुशर्रफ सत्ता में आए तो उन्होंने बलूच भूमि पर सैनिक अड्डे खोल दिए। इसे बलूचों ने अपने क्षेत्र पर कब्जे की कोशिश माना और फिर से संघर्ष तेज हो गया। इसके बाद यहां कई अलगाववादी आंदोलन वजूद में आ गए। इनमें सबसे प्रमुख बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी है। वाशिंगटन में कार्यरत संस्था गिलगित-बलूचिस्तान नेशनल कांग्रेस के सेंग सिरिंग ने मोदी द्वारा उठाए, इस सवाल का समर्थन किया है कि 'पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और बलूचिस्तान में लोगों पर होने वाले जुल्म एवं अत्याचार के बाबत पाक को दुनिया के समक्ष जवाब देना होगा ? पाक तो जवाब देने वाला नहीं है, लेकिन भारत की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह बलूचिस्तान की स्वतंत्रता में भागीदार बने ?

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

राष्ट्रीय ध्वज दिवस
मोहित सिंगला

जब तिरंगे को मिली स्वतंत्र भारत की राष्ट्रीय पहचान

भारत का राष्ट्रीय ध्वज केवल तीन रंगों का कपड़ा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान, बलिदान और राष्ट्रीय एकता का जीवंत प्रतीक है। आज जिस तिरंगे के नीचे पूरा देश गर्व से एकजुट होता है, उसे स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में आधिकारिक मान्यता 22 जुलाई 1947 को मिली थी। इसी दिन संविधान सभा ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्वराज ध्वज को कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तनों के साथ स्वतंत्र भारत का राष्ट्रीय ध्वज स्वीकार किया। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन था ध्वज के मध्य स्थित चरखे के स्थान पर अशोक चक्र को अपनाना, जिसने राष्ट्रध्वज को व्यापक, सार्वभौमिक और लोकतांत्रिक पहचान प्रदान की। यह निर्णय स्वतंत्रता प्राप्ति से मात्र तीन सप्ताह पहले लिया गया था, लेकिन इसका महत्व आज भी उतना ही प्रासंगिक है। यह केवल ध्वज का चयन नहीं था, बल्कि उस नए भारत की विचारधारा का चयन था, जो लोकतंत्र, समानता, न्याय और निरंतर प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध था।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की यात्रा लंबे संघर्ष और अनेक राष्ट्रभक्तों के प्रयासों से होकर गुजरी है। वर्ष 1906 में कलकत्ता में पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इसके बाद 1907 में सुश्री भीकाजी कामा ने जर्मनी के स्टुटगार्ट में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय ध्वज को प्रदर्शित कर विश्व का ध्यान भारत की स्वतंत्रता की आकांक्षा की ओर आकर्षित किया। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया ने महात्मा गांधी के समक्ष राष्ट्रीय ध्वज का प्रारूप प्रस्तुत किया। गांधीजी के सुझाव पर उसमें चरखे को स्थान दिया गया, जो स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा का प्रतीक था। बाद में 1931 में कांग्रेस ने केसरिया, सफेद और हरे रंग वाले तिरंगे को अपने आधिकारिक ध्वज के रूप में स्वीकार किया। यही ध्वज स्वतंत्रता आंदोलन का सबसे सशक्त प्रतीक बना और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने इसे हाथों में लेकर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष किया। जब भारत की स्वतंत्रता निश्चित हो गई, तब यह आवश्यक समझा गया कि राष्ट्रीय ध्वज किसी राजनीतिक संगठन का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करे। इसी उद्देश्य से 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा में राष्ट्रीय ध्वज संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इस प्रस्ताव को सभा के समक्ष रखते हुए कहा कि यह ध्वज स्वतंत्र भारत की आत्मा, उसकी एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक होगा। संविधान सभा ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। राष्ट्रीय ध्वज को अंतिम रूप देते समय चरखे के स्थान पर सारनाथ स्थित सम्राट अशोक के सिंह स्तंभ से प्रेरित अशोक चक्र को अपनाया गया। गहरे नीले रंग के इस चक्र की 24 तीलियां धर्म, न्याय, नैतिकता, सतत कर्म और निरंतर प्रगति का संदेश देती हैं। यह चक्र इस बात का प्रतीक है कि राष्ट्र को कभी ठहरना नहीं चाहिए, बल्कि निरंतर विकास और गतिशीलता की ओर अग्रसर रहना चाहिए। तिरंगे के प्रत्येक रंग का अपना विशिष्ट संदेश है। केसरिया रंग साहस, त्याग और बलिदान का प्रतीक है।

सफेद रंग सत्य, शांति और पारदर्शिता का संदेश देता है, जबकि हरा रंग समृद्धि, कृषि, पर्यावरण और विकास का प्रतीक माना जाता है। इन तीनों रंगों के मध्य स्थित अशोक चक्र राष्ट्र के जीवन में संतुलन, न्याय और निरंतर गति का संदेश देता है। 15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ, तब यही तिरंगा पहली बार स्वतंत्र राष्ट्र के ध्वज के रूप में फहराया गया। तभी से लेकर आज तक यह ध्वज देश की संप्रभुता, अखंडता और राष्ट्रीय गौरव का सर्वोच्च प्रतीक बना हुआ है। सीमाओं पर डटे सैनिकों का साहस, खिलाड़ियों की उपलब्धियां, वैज्ञानिकों की सफलताएं और प्रत्येक भारतीय की देशभक्ति इसी तिरंगे से प्रेरणा प्राप्त करती है। 22 जुलाई 1947 भारतीय इतिहास का वह स्वर्णिम दिवस है, जिसने भारत को केवल एक राष्ट्रीय ध्वज ही नहीं, बल्कि उसकी लोकतांत्रिक चेतना, सांस्कृतिक विरासत और भविष्य की दिशा का प्रतीक भी प्रदान किया। तिरंगा आज भी प्रत्येक भारतीय को यह संदेश देता है कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, समर्पण और निरंतर प्रगति का संकल्प भी है। जब-जब तिरंगा आकाश में लहराता है, वह हमें उन लाखों अमर बलिदानों की याद दिलाता है, जिनकी बदौलत भारत आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में गर्व से खड़ा है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गलत सोच का चश्मा जल्दी उतार देना चाहिए

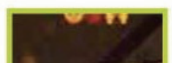

जब सोच निषेधात्मक या गलत होती है, तब वह सुख को भी दुख में परिवर्तित कर देती है। गलत सोच का चश्मा जितनी जल्दी हो, उतार देना चाहिए। बुरे विचार जितना दूसरों का नुकसान करते हैं, उतना ही स्वयं का भी करते हैं। कारण अपनी ही सुरक्षा को लेकर डरा दिमाग ढंग से नहीं सोच पाता। हम स्वार्थी हो जाते हैं, केवल अपने बारे में ही सोचते हैं।

संकलित
दर्शन

कहा गया है कि आपके विचार वहां तक ले जाते हैं, जहां आप जाना चाहते हैं। पर कमजोर विचारों में दूर तक ले जाने की ताकत नहीं होती। हम जो हैं वह सब विचारों का फल है। जो हम सोचते हैं, वही बन जाते हैं। मनुष्य अपने कार्यों से दूसरों को नुकसान पहुंचाता है और अपने विचारों से स्वयं को। गलत सोच एवं अनैतिक कार्यों में लिप्त लोगों को धनवान और प्रतिष्ठित होते देख आदमी में नकारात्मक चिंतन जागता है। अपनी ईमानदारी उसे मूर्खतापूर्ण लगती है। वह पुनर्चिंतन करता है-क्या मिला मुझे आदर्शों पर चलकर? यह नकारात्मक चिंतन उसे भी गलत सोच के दलदल में उतार देता है। समाज में भ्रष्ट और बेईमान लोगों की उत्पत्ति इसी तरह के गलत विचारों के संक्रमण से हुई। इस तरह का गलत सोच हमारी दुनिया को छोटा कर देता है। भीतर और बाहरी दोनों ही दुनिया सिमट जाती हैं। तब हमारी छोटी-सी सफलता अहंकार बढ़ाने लगती है। थोड़ा-सा दुख अवसाद का कारण बन जाता है। कुल मिलाकर सोच ही गड़बड़ हो जाता है। अपने ही बोले हुए को सुनते रहना ज्यादा सीखने नहीं देता। हमारा चिंतन गुणों की ओर केंद्रित रहना चाहिए।

अच्छे कार्य करने से गुरु शिष्य को कभी न रोके

दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य बताए गए हैं। भगवान शिव ने शुक्राचार्य को मृत संजीवन विद्या दी थी। इस विद्या से शुक्राचार्य मरे हुए दैत्यों को फिर से जीवित कर देते थे। जब दैत्यराज बलि का राज था। तब एक दिन भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और बलि के पास पहुंचे। बलि अपनी दानवीरता की वजह से बहुत प्रसिद्ध

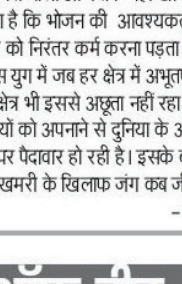

संकलित
प्रेरणा

थे। वे किसी भी मांगने वाले को खाली हाथ नहीं जाने देते थे। राजा बलि उस समय यज्ञ कर रहे थे। बलि ने वामन देव को देखा तो वह उनके पास पहुंचा। वामन देव ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। शुक्राचार्य वामन देव को पहचान गए थे कि ये विष्णु जी हैं। इसलिए उन्होंने बलि को दान देने से रोकना चाहा। राजा बलि ने अपने गुरु की बात नहीं मानी और वामन देव को दान देने के लिए तैयार हो गए। तब शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में सूक्ष्म रूप में बैठ गए, जिससे की पानी बाहर न आए और राजा बलि भूमि दान करने का संकल्प न ले सकें। वामन भगवान जानते थे कि शुक्राचार्य बलि के कमंडल में बैठे हैं। उन्होंने बलि के कमंडल में एक तिनका डाल दिया, जिससे शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। इसके बाद शुक्राचार्य कमंडल से बाहर आ गए और बलि ने वामन देव को भूमि दान दे दी। अगर कोई गुरु अपने शिष्य को नेक काम करने से रोकता है तो उसे इसका बुरा फल भोगना पड़ता है।

सटाका

आज की पाती

भूख मिटाने की कोई गोली इजाद नहीं

आधुनिक विज्ञान के इस युग में मानव ने अपने जीवन को सुखमय बनाने के लिए विलासिता की हर छोटी-बड़ी वस्तु का आविष्कार कर लिया है और जीवन को लगातार अधिक सुविधाजनक बनाता जा रहा है। लेकिन शरीर को तंदुरुस्त रखने के लिए पेट की भूख मिटाने वाली कोई चमत्कारी गोली आज तक नहीं खोजी जा सकी है। यही कारण है कि भोजन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म करना पड़ता है। आधुनिक विज्ञान के इस युग में जब हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है, तब कृषि क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा। आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने से दुनिया के अनेक देशों में फसलों की बंपर पैदावार हो रही है। इसके बावजूद सवाल यह है कि भुखमरी के खिलाफ जंग कब जीतेगी दुनिया?

- सुदेश कुमारी, हिसार

करंट अफेयर

शुल्क नीति बहुत सफल रही और उपाय आएंगे सामने: ग्रीर

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि देश की शुल्क (टैरिफ) नीति 'बेहद सफल' रही है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन उन शुल्क उपायों की जगह नए उपाय लाने की योजना बना रहा है जिन्हें अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने रद्द कर दिया था। ग्रीर ने 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' को दिए साक्षात्कार में कहा कि ट्रंप प्रशासन ने पिछले एक साल में अमेरिका की 70 साल पुरानी व्यापार नीति को बदल दिया है और इन नए उपायों से व्यापार घाटा कम हुआ है और कारोबारों को दोबारा अमेरिका लाने में मदद मिली है। यह पूछे जाने पर कि क्या शुल्क प्रणाली से अच्छे नतीजे मिल रहे हैं, इस पर ग्रीर ने कहा, 'हां, बिल्कुल। मेरा मानना है कि हम बेहद सफल रहे हैं।' ग्रीर ने कहा कि प्रशासन ने इस संबंध में तेजी से कदम उठाए। प्रशासन ने अमेरिका के बढ़ते व्यापार घाटे को एक ऐसी आर्थिक आपात स्थिति माना जिसके लिए कड़े फैसले लेने की जरूरत थी। उन्होंने कहा, 'आखिरकार, हम व्यापार नीति बदलने में कामयाब हो रहे हैं। हम व्यापार घाटा कम करने में सफल हो रहे हैं। हम कारोबार को दोबारा अमेरिका वापस लाने में कामयाब हो रहे हैं। हम वेतन के मोर्चे पर भी बढ़त बना रहे हैं। हम इन सभी मोर्चों पर जीत रहे हैं।

ऑफ बीट

नींद में खलल से पक्षियों की आवाज में आता है बदलाव

पक्षियों को भी नींद में खलल पड़ने पर तकलीफ होती है, और यह उनके गायन में भी दिखाई देता है। पक्षियों की आवाज असाधारण रूप से विविध होती है।

यह साधारण आवाज, जैसे मुर्गा के कुकडू-कु, से लेकर अन्य ध्वनियों की जटिल नकल, कभी-कभी तो मानव आवाज की नकल तक होती है। यह आवाज पक्षियों के लिए अपने और अपने परिवेश के बारे में जानकारी साझा करने के वास्ते महत्वपूर्ण है। यह आमतौर पर छोटी और सरल होती है। इसका इस्तेमाल अक्सर सामाजिक संवाद के लिए किया जाता है, जैसे खतरे या भोजन का संकेत देना, रिश्तेदारों की पहचान के लिए या सामाजिक जुड़ाव बनाए रखने के लिए। गीत ज्यादा जटिल और मधुर होते हैं और इनका इस्तेमाल साथी को आकर्षित करने, किसी क्षेत्र की रक्षा करने या नये क्षेत्र पर कब्जा करने के लिए किया जाता है। ऐसी ध्वनियां उत्पन्न करने के लिए, पक्षियों को मस्तिष्क, फेफड़े और गले की मांसपेशियों सहित कई शारीरिक प्रणालियों का समन्वय करना पड़ता है। चूंकि स्वर-निर्माण जटिल होते हैं और सटीक समय की आवश्यकता होती है, इसलिए उनमें त्रुटियां होने की संभावना अधिक होती है। कई प्रजातियों में, जो पक्षी अधिक बार और अधिक जटिलता से गाते हैं, वे बेहतर साथी आकर्षित कर सकते हैं।

ट्रेंड

मेरी संवेदनाएं

सिक्किम के नामची जिले में बन रही सुरंग के पास भूस्खलन से हुई कीमती जानों के नुकसान से मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

भर्ती परीक्षा

झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ कब तक खिलवाड़ होता रहेगा? हेमंत सरकार के कार्यकाल में शायद ही कोई ऐसी भर्ती परीक्षा हुई हो जो बिना किसी विवाद के पूरी हुई हो। हर बार युवाओं की मेहनत, उम्मीदों और भविष्य के साथ अन्याय होता है।

- बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

संवेदनहीनता

केंद्र सरकार एक महीने तक असंवेदनशील बनी रही और कोई बातचीत नहीं की। जब युवाओं ने सरकार तक अपनी बात पहुँचाने के लिए संसद तक मार्च करने का फैसला किया, तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े।

- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

सार्थक बातचीत

मुझे उम्मीद है कि हमारी सरकार सोनम वांगचुक और छात्र संगठनों के साथ सार्थक बातचीत शुरू करेगी ताकि उनकी सेहत और न बिगड़े! सोनम, कृपया अपना अनशन खत्म करें। आपकी सेहत भी उतनी ही जरूरी है जितनी कि यह लड़ाई।

- प्रीति जी जिंटा, फिल्म अभिनेत्री

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिव अग्रवाल आ०नरेश कुमार अग्रवाल व अन्य निवासी जवाहर मार्केट अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा मुख्तारआम शरद अग्रवाल आ०स्व०पूनमचंद अग्रवाल व अन्य के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 151/4 मेसे रकबा 0.015 हे0 भूमि को अनावेदक सरीता पति विकास कुमार गोयल व गायत्री पति गोपीराम निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पास निजी कार्य हेतु रूपयो की आवश्यकता होने के कारण अंकन राशि 14,75,000/- मे सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 10/08*2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 17/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगाँव तहसील भटगांव
रा०प्र०कं० 314 ब - 121/2025-2026
ईश्तहार

आम जनता ग्राम पोड़ी को सूचित किया जाता है कि आवेदक हीरासाय आ. स्व नान जाती कंवर निवासी ग्राम पोड़ी तहसील भटगांव जिला सूरजपुर द्वारा अपने पिता नान का मृत्यु दिनांक 15/07/1995 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा आपने पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुलक अदा कर चालान की प्रति, सपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है । जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनाक 30/07/2026 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तद् ?नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 09/07/2026को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
कार्यपालिक भटगांव जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला--सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-- /ब- 121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धनवीर सिंह आ०स्व० त्रिलोक सिंह निवासी फौजी गली, शिवनन्दनपुर विश्रामपुर जिला सूरजपुर छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 477/95, 477/101 रकबा 0.017, 0.020 हे० भूमि को अनावेदक डॉ० आयुष जायसवाल आ० रामविलास जायसवाल निवासी भण्डारपारा बडसरा तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छ०ग० के पास निजी कार्य हेतु रूपयो की आवश्यकता होने के कारण अंकन राशि 13,00,000/- में सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 10.08.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांकः- 14/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ०ग०)

भारत-आसियान मंत्री स्तरीय सम्मेलन में विदेश मंत्री जयशंकर बोले

वैश्विक चुनौतियों से अकेले नहीं निपटा जा सकता, मिलकर आगे बढ़ना जरूरी

साझेदारी को और मजबूत बनाने का आह्वान किया

जयशंकर ने कहा कि मौजूदा अनिश्चितता और व्यवधान के दौर में आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा, खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों पर दबाव बढ़ रहा है। समुद्री व्यापार पर निर्भरता को देखते हुए समुद्री क्षेत्र भी चिंता का विषय बन सकता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन बेहद महत्वपूर्ण

▶▶नई दिल्ली

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने मनीला में आयोजित मंत्री स्तरीय सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। अपने संबोधन में उन्होंने आसियान और भारत से भविष्य की चुनौतियों का मिलकर सामना करने के साथ ही साझेदारी को और मजबूत बनाने का आह्वान किया। जयशंकर ने आसियान मंत्री स्तरीय सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करते हुए कहा कि मौजूदा अस्थिर और तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों में कोई भी एक देश या समूह अकेले चुनौतियों का सामना नहीं कर सकता।

उन्होंने भारत और आसियान देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया। विदेश मंत्री ने फिलीपींस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह भारत-आसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए देश समन्वयक (को-ऑर्डिनेटर) की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि आसियान की अध्यक्षता का विषय 'मिलकर भविष्य की राह तय करना' (नैविगेटिंग आर फ्यूचर टुगैदर) आज की वैश्विक भावना को दर्शाता है।

आसियान मंत्री स्तरीय बैठक में भाग ले रहे मंत्रियों का समूह फोटो

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र
- व्यापार और निवेश
- लोगों की आवाजाही और टैलेंट
- प्रौद्योगिकी, डिजिटल और हवाई संपर्क
- ग्रीन एनर्जी और सस्टेनेबिलिटी
- कनेक्टिविटी

दुनिया लगातार अस्थिर होती जा रही

जयशंकर ने कहा कि दुनिया लगातार अधिक अस्थिर होती जा रही है और ऐसे में यह विचार करना जरूरी है कि आपसी सहयोग किस तरह सभी देशों के हितों को आगे बढ़ा सकता है। मौजूदा अनिश्चितता और व्यवधान के दौर में आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा, खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों पर दबाव बढ़ रहा है। समुद्री व्यापार पर निर्भरता को देखते हुए समुद्री क्षेत्र भी चिंता का विषय बन सकता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन बेहद महत्वपूर्ण है।

आसियान के साथ साझेदारी मजबूत करेगा क्वाड

मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत पर बनी सहमति

आसियान की बैठक से इतर भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के विदेश मंत्रियों ने एक अहम बैठक की। इसके बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया जिसमें कहा गया कि चारों देश इस विश्वास में एकजुट हैं कि हिंद-प्रशांत के समुद्री क्षेत्र में शांति और स्थिरता ही पूरे क्षेत्र की सुरक्षा और समृद्धि की आधारशिला है। आसियान के साथ सहयोग को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

रूसी विदेश मंत्री से द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा

जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। बातचीत में भारतीय नाविकों की सुरक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समेत क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की

जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। इस अवसर पर डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत-चीन संबंधों के धीरे-धीरे सामान्य करने के लिए सीमा पर शांति गहरे द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक मूलभूत शर्त बनी हुई है।

रूबियो से की मुलाकात

जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो से मुलाकात के दौरान की। उन्होंने बताया कि चर्चा भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की प्राथमिकताओं पर केंद्रित रही।

अनंतनाग के लाल चौक में आतंकी हमला

पुलिस दल पर फायरिंग, गोली लगने से हेड कांस्टेबल शहीद

एजेंसी ▶▶अनंतनाग

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग के व्यस्त लाल चौक (कोकेरनाग रोड) पर ड्यूटी के दौरान घात लगाकर बैठे अज्ञात बंदूकधारियों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी पर ता ब ड़ तो ड़ गोलियां बरसा दीं। इस कायराना और दु स्सा ह सि क हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने वीरगति प्राप्त कर ली। दिनदहाड़े हुए इस आतंकी हमले से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और एक बार फिर घाटी में भारी तनाव का माहौल पैदा हो गया है।

आशिक हुसैन कुरैशी

टीआरएफ ने ली हमले की जिम्मेदारी

घटना के तुरंत बाद लश्कर-ए-ताइबा की प्रॉक्सी शाखा माने जाने वाले प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन टीआरएफ (द रेजिस्टेंस फ्रंट) ने एक बयान जारी कर इस हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने अमरनाथ यात्रा की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए इस हमले को अंजाम देने का दावा किया है। भविष्य में भी इस तरह की वारदातों को जारी रखने की धमकी दी है।

सुरक्षा बल मुस्तैद तलाशी अभियान जारी

हमले के तुरंत बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। सुरक्षा बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़े पैमाने पर कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और फरार आतंकियों की धरपकड़ के लिए आधुनिक तकनीक और खुफिया तंत्र की मदद ली जा रही है।

डीजीपी नलिन प्रभात ने उच्चस्तरीय समीक्षा की

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात और स्पेशल डीजीपी एस.जे.एम. गिलानी ने तुरंत स्थिति का जायजा लिया और अनंतनाग के लाल चौक पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा की। डीजीपी ने बलिदानी कुरैशी को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पूरा देश इस मुश्किल घड़ी में शहीद के परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह घिनौना कृत्य कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आतंकवादियों और उनके मददगारों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। सुरक्षा बल जमीन पर पूरी मुस्तैदी से काम कर रहे हैं और हमलावरों को जल्द ही कानून के कटघरे में लाया जाएगा। साइबर पुलिस जम्मू-कश्मीर ने अपील की है कि अनंतनाग हमले से जुड़ी कोई भी संवेदनशील तस्वीर या वीडियो सोशल मीडिया पर साझा न करें, क्योंकि इससे चल रही जांच प्रभावित हो सकती है और सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

राजौरी में ऊंचाई से गिरने पर सैनिक की मौत

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास ऊंचाई से दुर्घटनावश गिरने के कारण सेना के एक जवान की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि 27 वर्षीय राइफलमैन सुखप्रीत सिंह सुंदरबनी सेक्टर में अग्रिम महादेव चौकी पर ड्यूटी कर रहे थे तभी संतुलन बिगड़ने से वह ऊंचाई से नीचे गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

कांगो में इबोला बरपा रहा कहर

अब तक 999 लोगों की मौत, 2473 मामले दर्ज

एजेंसी ▶▶बुनिया (कांगो)

पूर्वी कांगो में इबोला वायरस के प्रकोप से कम से कम 999 लोगों की मौत हो गई है। कांगो के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इबोला की नई लहर में रविवार तक 2,473 मामले सामने आए हैं और 999 लोगों की मौत हुई है। जबकि कम से कम 737 मरीज फिलहाल आइसोलेशन केंद्रों और अस्पतालों में भर्ती हैं। कांगो में 15 मई को घोषित प्रकोप पहले के ज्यादातर इबोला प्रकोपों से अलग है, क्योंकि इसके लिए जिम्मेदार वायरस के बुंडिबुग्यो स्वरूप के

लिए कोई टीका या इलाज मौजूद नहीं है। वहीं, वेनेजुएला ने मंगलवार को तीन लोगों की मौत हंता वायरस संक्रमण से होने की पुष्टि की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण-पश्चिमी राज्य बारिनास में दो स्वास्थ्य कर्मियों की मौत के मामले में भी हंता वायरस संक्रमण का संदेह है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का बड़ा ऐलान

जेनेरिक दवाओं के आयात पर अगस्त 2028 से 200% टैरिफ

एजेंसी ▶▶वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि अमेरिका आयातित जेनेरिक दवाओं पर अगस्त 2028 से भारी शुल्क लगाएगा। इस कदम का उद्देश्य जेनेरिक दवाओं के उत्पादन को अमेरिका में प्रोत्साहित करना है।

इस फैसले का असर भारत पर पड़ सकता है, जो अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है। वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को 9.7 अरब डॉलर मूल्य की दवाओं का निर्यात किया। ट्रंप ने

सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि एक अगस्त, 2026 से अमेरिका में लाई जाने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो वर्ष तक शुल्क शून्य प्रतिशत रहेगा। इसके बाद एक वर्ष के लिए इसे 100 प्रतिशत और उसके बाद 200 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

'ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस 26-2' में जुटी 26 देशों की नौसेना

कोच्चि। हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय नौसेना ने कोच्चि में 'ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस 26-2' की शुरुआत की। 20 से 23 जुलाई तक चलने वाला यह चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कंबाइंड मैरीटाइम फोर्स के तहत भारत की मेजबानी में आयोजित होने वाला पहला बड़ा बहुराष्ट्रीय समुद्री प्रशिक्षण अभियान है। समुद्र में बदलते सुरक्षा समीकरणों के बीच भारत ने अपनी समुद्री ताकत को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इस अभियान में भारत अकेला नहीं, बल्कि दुनिया के 26 देशों की नौसेनाओं के साथ मिलकर समुद्री सुरक्षा का नया खाका तैयार कर रहा है। इसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के नौसैनिक अधिकारियों को समुद्री कानून, समुद्री गतिविधियों पर नजर रखने की तकनीक, खुफिया जानकारी साझा करने, नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने, समुद्री ठिकानों की सुरक्षा और ड्रोन जैसे नए खतरों से निपटने की ट्रेनिंग दी जा रही है।

समुद्री सुरक्षा और पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं में बढ़ी भारत की ताकत

स्वदेशी युद्धपोत 'आईएनएस मालवन' नौसेना के बेड़े में शामिल

एजेंसी ▶▶कारवार

भारतीय नौसेना ने कर्नाटक के कारवार आईएनएस कादंबा नौसेना बेस पर माहे श्रेणी के दूसरे पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'आईएनएस मालवन' को बेड़े में शामिल किया। इस समारोह में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह मुख्य अतिथि थे।

पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय वत्सयान उपस्थित थे। आईएनएस मालवन का नाम भारतीय नौसेना के पुराने माइंसवीपर आईएनएस मालवन के नाम पर रखा गया है। वह जहाज 19 साल तक सेवा देने के बाद 2003 में रिटायर हुआ था।

मालवन माहे श्रेणी का दूसरा पनडुब्बी रोधी उथला जल युद्धपोत | भारतीय नौसेना ने इस वर्ष 7 युद्धपोतों को कमीशन कर लिया है

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के साथ नौसेना के अधिकारी

80 प्रतिशत स्वदेशी उपकरण और तकनीक से बना

आईएनएस मालवन माहे श्रेणी का दूसरा पनडुब्बी रोधी उथले जल युद्धपोत है। यह 8 पनडुब्बी रोधी युद्धपोतों में से दूसरा युद्धपोत है। इसमें 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरण और तकनीक का उपयोग किया गया है। भारतीय नौसेना ने इस वर्ष 7 युद्धपोतों को कमीशन कर लिया है।

उन्नत पनडुब्बी रोधी हथियारों से लैस

यह उन्नत पनडुब्बी रोधी हथियारों से सुसज्जित है। इसमें आगे की ओर लगा आरबीयू 6000 रॉकेट लॉन्चर, युद्धपोत के बाएं और दाएं दोनों तरफ तीन 324 मिमी हल्के टॉरपीडो ट्यूब लगे हैं, जो उन्नत हल्के टॉरपीडो और पनडुब्बी रोधी बारूदी सुरंग बिछाने वाली तकनीक से लैस हैं। इसमें टॉरपीडो डेकोय लॉन्चिंग सिस्टम भी लगे हैं। इसकी सतह युद्ध क्षमता में एक 30 मिमी नौसैनिक तोप और दो 12 दशमलव 7 मिमी की स्थिर रिमोट नियंत्रित तोपें शामिल हैं। माहे श्रेणी के पोत तीन 6 मेगावाट समुद्री डीजल इंजनों द्वारा संचालित हैं। यह वाटर जेट से जुड़े हैं, जिससे ये पंप जेट प्रणोदन का उपयोग करने वाले भारतीय नौसेना के सबसे बड़े युद्धपोत बन गए हैं। इनकी अधिकतम गति 25 समुद्री मील है और 14 समुद्री मील की गति पर इनकी परिचालन सीमा 1800 समुद्री मील है। यह युद्धपोत बिना रुके या बिना रीफ्यूलिंग के लगातार 14 दिनों तक पानी में सक्रिय रह सकता है।

नाम सुधार हेतु सूचना

मैं निशा बैस पति श्यामसुन्दर बैस निवासी ग्राम मझौली, थाना व तहसील रघुनाथनगर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) की स्थाई निवासी हूँ। मेरे समस्त शासकीय / शासकीय दस्तावेजों में निशा पति श्यामसुन्दर बैस दर्ज है। मेरे बैंक ऑफ बड़ौदा बैंक के खाते में बुधनी पिता रामजनम दर्ज हो गया है, जो गलत है। अतः एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निशा एवं बुधनी दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे ही हैं। भविष्य में सभी शासकीय/अशासकीय बैंकिग शैक्षणिक एवं अन्य समस्त कार्यों / अभिलेखों केलिये मेरा सही नाम निशा पति श्यामसुन्दर बैस को ही मान्य किया जाये।

निशा बैस पति श्यामसुन्दर बैस
निवासी ग्राम मझौली

एंटी टेरर सेल ने 4 करोड़ 83 लाख रुपये का ड्रग्स बरामद कर के नाइजीरियन महिला को गिरफ्तार

वसई। तुलिंज पुलिस की एंटी टेरर सेल (अळउ) ने मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक नाइजीरियन महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 4 करोड़ 83 लाख 10 हजार रुपये मूल्य का 663 ग्राम कोकेन और 1 किलो 10 ग्राम (1,010 ग्राम) /एक्स्टसी टैबलेट बरामद किया है। मामले में एनडीपीएस एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। ऊउढ अशोक विरकर ने बताया कि,21 जुलाई 2026 को शाम करीब 6 बजे वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय जाधव के निर्देश पर तुलिंज पुलिस स्टेशन की एंटी टेरर सेल (अळउ) की टीम अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों तथा मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस हवलदार सचिन कांबले को गुप्त सूचना मिली कि नारियानगर, नालासोपारा पूर्व स्थित वैष्णवी अपार्टमेंट के रूम नंबर-106 में कुछ विदेशी नागरिक ड्रग्स की बिक्री कर रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने मौके पर छापेमारी की। छापे के दौरान पुलिस ने ओमोरोगबे मेरिट एनाघेडे , उम्र 26 वर्ष, मूल निवासी नाइजीरिया) को हिरासत में लिया। पंचों की मौजूदगी में घर और महिला की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 1 किलो 10 ग्राम (1,010 ग्राम) टऊटअ/एक्स्टसी टैबलेट, जिसकी कीमत 1 करोड़ 51 लाख 50 हजार रुपये, तथा 663 ग्राम कोकेन, जिसकी कीमत 3 करोड़ 31 लाख 50 हजार रुपये, बरामद किया गया। जब्त मादक पदार्थों की कुल कीमत 4 करोड़ 83 लाख 10 हजार रुपये आंकी गई है। आरोपी महिला के खिलाफ तुलिंज पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 526/2026 दर्ज करते हुए एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 8(क), 21(क), 22, 22(क), 29, इमिग्रेशन एंड

सशक्त बूथ - सशक्त संगठन : बूथ ही संगठन की सबसे मजबूत इकाई - रत्नाकर मिश्र

मीरजापुर, विंध्याचल। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार विधानसभा बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का आयोजन आज नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र के विंध्याचल घमहापुर स्थित नवनिर्मित आवास पर सम्पन्न हुआ। सशक्त बूथ - सशक्त संगठन विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में प्रदेश से आए भाजपा सोनभद्र के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री अशोक मिश्र मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कार्यकताओं एवं बूथ अध्यक्षों को संबोधित करते हुए नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र ने कहा कि बूथ ही संगठन की सबसे मजबूत इकाई है। एक सशक्त बूथ ही विकसित राष्ट्र और मजबूत संगठन की आधारशिला है। उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों से बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने का आान किया।

न्यायालय तहसीलदार पोड़ी (बचरा) जिला कोरिया (छ0ग0)
रा०प्र०क्र०//31-6/2025-25
ईश्तहार

सर्व साधारण ग्राम बचरा प०ह०नं० 10 तहसील पोंड़ी (बचरा) जिला कोरिया (छ०ग०) तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है कि कार्यालय उद्योग संचालनालय छत्तीसगढ़ भवन, रिंग रोड़ नं0 01, तेलीबांधा रायपुर छत्तीसगढ़ का पत्र क्रमांक / LAND/394/2026 रायपुर, दिनांक 24/04/2026 के द्वारा नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना / लैंड बैंक की स्थापना हेतु ग्राम बचरा तहसील पोंड़ी (बचरा) जिला कोरिया में स्थित भूमि खसरा नं0 556, 579, 580, 557 एवं 563 रकबा क्रमशः 8.25, 0.33, 0.32, 30, 0.34 हे० भूमि कुल रकबा 9.54 हे0 भूमि को चिन्हांकन किया जाकर प्रस्तावित भूमि के हस्तांतरण हेतु आवश्यक कार्यवाही कर भूमि उद्योग विभाग को हस्तांतरित किये जाने हेतु लेख किया गया है तथा भूमि का अधिपत्य प्राप्त करने के लिए महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कोरिया को अधिकृत किया गया है। पत्र के साथ खसरा, नक्शा, संयुक्त स्थल निरीक्षण प्रतिवेदन मय नजरी नक्शा व गुगल नक्शा की प्रति संलग्न किया गया है।

अतः उक्त संबंध हित रखने वाले व्यक्तियों का यदि कोई आपत्ति हो तो वे दिनांक 05/08/2026 के पूर्व स्वंय अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

जारी दिनांकः-21/07/2026

तहसीलदार
पोंड़ी (बचरा)
जिला-कोरिया (छ०ग०)
जी 262702291/1

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

कैटी और कनाडा के जस्टिन ट्रूडो इश्क में डूबे दिखे

अमेरिकी सिंगर कैटी पेरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अचानक ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में साथ पहुंचकर फैंस, सोशल मीडिया यूजर्स को चौंका दिया। काफी वक्त से इनको साथ देखा जा रहा था लेकिन इस तरह पब्लिकली सामने आकर कैटी और जस्टिन ने अपने रिश्ते को जगजाहिर कर दिया है।

हॉलीवुड सिंगर कैटी पेरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इश्क के चर्चे इन दिनों हर जुबान पर हैं। हाल ही में यह कपल ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में रेड कारपेट पर साथ दिखा। इस तरह दोनों ने अपने रिश्ते पर पक्की मुहर लगा दी। इस फिल्म फेस्टिवल में कैटी पेरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पूरी तरह से इश्क में डूबे नजर आए। इनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल है।
सोमवार यानी 8 जून को ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में सिंगर कैटी पेरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री ने रेड कारपेट पर साथ में शिरकत की। यह फिल्म फेस्टिवल न्यूयॉर्क में हो रहा है। कैटी पेरी और जस्टिन ट्रूडो एक-दूसरे का हाथ थामे इस इवेंट में दिखे। पैपराजी को उन्होंने रोमांटिक अंदाज में फोटो पोज भी दिए। एक-दूसरे के इश्क में दोनों पूरी तरह से रंगे दिखाई दिए।
ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में कैटी पेरी की नई डॉक्यूमेंट्री 'कैटी पेरीः द लाइफटाइम्स टूर लाइव फ्रॉम पेरिस' का प्रीमियर हुआ। बॉयफ्रेंड जस्टिन ट्रूडो कैटी पेरी को सपोर्ट करने इस इवेंट में पहुंचे थे। इस मौके पर दोनों का रोमांस भी फैंस को देखने को मिला।

टॉलीवुड

आखिरकार सामने आई 'टॉक्सिक' की रिलीज डेट, फैंस एक्साइटेट

साउथ स्टार यश और कियारा आडवाणी की मच अवेटेड फिल्म 'टॉक्सिक' कई महीनों से पोस्टपोन हो रही थी। अब मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का खुलासा कर दिया है। जिसके बाद से फैंस की एक्साइटमेंट और

बढ़ गई है। केवीएन प्रोडक्शंस ने यश और कियारा की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' की रिलीज डेट अनाउंसमेंट कर दी है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी है। बता दें कि फिल्म अब 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर में रिलीज होगी। इस पोस्ट के बाद फैंस अब फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'टॉक्सिक' को एक लव स्टोरी बताते हुए यश ने कहा था कि यह एक प्रेम कहानी है। इसमें एक गहरी प्रेम कहानी छिपी है। यह पिता-पुत्र के बदले की गाथा है। कच्ची भावनाओं और परतदार कहानी कहने का यही मिश्रण फिल्म को अलग बनाता है, जो भव्यता और गहराई दोनों का वादा करती है। इससे पहले यश ने 'टॉक्सिक' की तुलना ऑस्कर विजेता फिल्म सिनर्स से भी की थी।
बता दें कि केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी फिल्म 'टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' में यश, नयनतारा, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म पहले 4 जून 2026 को रिलीज होने वाली थी। अब फिल्म 26 अगस्त को रिलीज होगी।

भोजपुरी

खेसारी लाल का ये गीत 2 महीने बाद भी कर रहा ट्रेंड

खेसारी लाल यादव आज भोजपुरी का बड़ा नाम हैं या फिर ये कहें कि उनका नाम एक ब्रांड बन चुका है। वो किसी भी फिल्म या फिर गाने में होते हैं तो बवाल ही मचा देते हैं। उनकी फैन फॉलोइंग अब तक बॉलीवुड में भी है। आलम ये हो गया है कि एक्टर और सिंगर का कोई गाना आता है तो वो ट्रेंडिंग लिस्ट में छा ही जाता है। ऐसे में उनका नया भोजपुरी सॉन्ग दो महीने बाद भी यूट्यूब पर ट्रेंड कर रहा है। दरअसल, खेसारी लाल यादव के जिस भोजपुरी गाने के बारे में बात कर रहे हैं उसके बोल 'कमर में दागी' है, जिसे यूट्यूब पर खूब देखा जा रहा है। इसे काफी पसंद किया जा रहा है। आलम ये है कि गाना रिलीज होने के बाद से ही छाया हुआ है। उनके इस गाने को खेसारी लाल के साथ ही शिल्पी राज ने भी गाया है और ये काफी मजेदार है, जिस पर कोई भी झूम उठता है।खेसारी लाल के भोजपुरी सॉन्ग 'कमर में दागी' यूट्यूब पर रिलीज के बाद से ही छाया हुआ है। इसमें खेसारी के साथ कोरियोग्राफर और रील स्टार सोना डे हैं, जिन्होंने अपनी बेहतरीन अदायकी से फैंस का दिल जीत लिया है। उनके डांस मूव्स बेहद की कमाल के हैं। वहीं, खेसारी के साथ सोना की केमिस्ट्री भी लाजवाब लग रही है। लाल साड़ी में उन्होंने अपनी सिजलिंग अदाओं से दिल ही जीत लिया है। भोजपुरी गाना 'कमर में दागी' को मिलियन्स में व्यूज मिल चुके हैं। गाने को दो महीने पहले ही 31 मार्च को यूट्यूब पर रिलीज किया गया था और भोजपुरी वीडियो को अभी तक 62 मिलियन्स से ज्यादा व्यूज भी मिल चुके हैं। इतना ही नहीं, उनका ये गाना यूट्यूब पर म्यूजिक वीडियो की लिस्ट में टॉप 22 पर ट्रेंड कर रहा है। गौरतलब है कि सॉन्ग 'कमर में दागी' को खेसारी के साथ ही शिल्पी राज ने गाया है। म्यूजिक डायरेक्टर रोशन सिंह और लिरिक्स कुंदन प्रीत के हैं।

लाइफ स्टाइल

2026 में वैश्विक स्तर पर दुल्हनों के रुझान की बात करें तो बुनियादी सादगी से हटकर खुद को ज्यादा एक्सप्रेस करने अपनाए जाने वाले मेकअप और ड्रेस पर ध्यान है। इसी तरह कई बार अति नाटकीयता की झलक भी देखने को मिल रही है। दुल्हनों का रुझान अचानक नहीं बदला है बल्कि पिछले कुछ सालों से हैवी मेकअप ने इसका रास्ता साफ किया है।

आउटफिट के साथ कैरी करें ट्रेंडी हैंडबैग

जब भी आउटफिट के साथ हम अपने फोन या अन्य सामान को लेकर जाते हैं, तो अक्सर अलग-अलग डिजाइन वाले हैंडबैग को कैरी करते हैं। लेकिन हर एक बैग हमारी आउटफिट के साथ अच्छा नहीं लगता है। ऐसे में हम उसे चेंज करने के बारे में सोचते हैं। इस बार आप आर्टिकल में बताए गए डिजाइन के हिसाब से अपने हैंडबैग को चूज करें। इससे आपको आउटफिट के साथ हैंडबैग कैरी करने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

हैंडबैग को आउटफिट के साथ कैसे करें मैच

आप अपने हैंडबैग को आउटफिट के साथ मैच कर सकते हैं। इसके लिए बस आपको हैंडबैग के डिजाइन का खास ध्यान रखना होगा। साथ ही, आपको इसके पैटर्न को अपने सामान के हिसाब से चूज करना होगा। इससे आपको बैग कैरी करने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

ब्लैक ऐंड ब्राउन शेड वाला हैंडबैग

आप अगर चाहती हैं कि हैंडबैग हर आउटफिट के साथ मैच करे, तो ऐसे में आप ब्लैक और

ब्राउन कलर के कॉम्बिनेशन को चूज कर सकती हैं। इस तरह के कलर कॉन्ट्रास्ट वाले बैग काफी अच्छे लगते हैं। साथ ही, इसे आप किसी भी कलर के आउटफिट के साथ आसानी से कैरी भी कर सकती हैं। इसमें आपको प्लेन से लेकर प्रिंटेड हर तरह के हैंडबैग का ऑप्शन मिल जाता है, जो स्टाइल करने के बाद अच्छा लगता है।

चेक डिजाइन वाले हैंडबैग

अगर आपको ज्योमैट्रिकल पैटर्न वाली चीजें ज्यादा पसंद है, तो फोटो में नजर आने वाला हैंडबैग आप पसंद कर सकते हैं। इस तरह के हैंडबैग भी कैरी करने के बाद अच्छे लगते हैं। इसमें आपको डबल शेड कलर मिलता है। साथ में लगने वाली गोल्डन चेन। इससे यह बैग और भी ज्यादा अट्रैक्टिव नजर आता है। साथ ही, इसे कैरी करने के बाद लुक भी क्लासी लगता है। मार्केट में इस तरह के बैग आपको आसानी से मिल भी जाते हैं।

टेस्ल डिटेल वाला हैंडबैग

कई सारे लोग होते हैं, जिन्हें लैदर या कपड़े से बना बैग पसंद नहीं आता है। ऐसे में आप इस फोटो में नजर आने वाले बैग को कैरी कर सकते हैं। इस तरह के बैग में टेस्ल से डिटेलिंग वाला काम किया गया है। इसलिए हैंडबैग कैरी करने में अच्छा लग रहा है। इसे आप किसी भी आउटफिट के साथ आसानी से कैरी कर सकती हैं। साथ ही, इवेंट या रोजाना ऑफिस और कॉलेज ले जानें के लिए भी यह काफी अच्छा डिजाइन वाला बैग है।

इन दिनों ट्रेंड में हैं रफल साड़ी, हर तरह के फंक्शन के लिए

फैशन की दुनिया में रोजाना नए-नए बदलाव होते रहते हैं। ऐसे में अधिकतर महिलाएं चाहती है कि वह भीड़ से हटकर और कुछ डिफरेंट लुक क्रिएट करें। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में से एक है, तो यह खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है।
आज हम आपको कुछ ऐसी लेटेस्ट रफल साड़ी डिजाइन के बारे में बताएंगे, जिन्हें ट्राई कर आप डिफरेंट और गॉर्जियस लुक क्रिएट कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी इन दिनों बहुत चर्चा में है।

रफल साड़ी के डिजाइन

अगर आप भी एक जैसी साड़ी पहनकर बोर हो गई है और कुछ यूनिक ट्राई करना चाहती हैं, तो अब आप इस तरह की खूबसूरतसफ़ेद ऑर्गेना रफ़ल साड़ी ट्राई कर सकती है। ऐसी साड़ी आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह देखने को मिल जाएगी। इस साड़ी के साथ आप एक्सेसरीज और मेकअप कर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं।

ऑर्गेंज़ा रफल्स साड़ी

अगर आप हर फंक्शन में पहनने के लिए कोई खूबसूरत साड़ी देख रही है, तो ऐसीऑर्गेंज़ा रफल्स साड़ी आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकती है। इस तरह की साड़ी अधिकतर महिलाएं पहनना पसंद कर रही है। इस साड़ी को आप नजदीकी बाजार से खरीद सकती है या ऑनलाइन भी घर बैठे मंगा सकती हैं। इस साड़ी के साथ आप कंट्रास्ट ब्लाउज भी शामिल कर सकती है।

हल्के हरे रंग की प्रिंटेड रफल साड़ी

अपने लुक को चेंज करने के लिए और भीड़ से अलग दिखने के लिए आप एक जैसी साड़ी पहनने के बजाय इस खूबसूरत हल्के हरे रंग की प्रिंटेड रफ़ल साड़ी को भी ट्राई कर सकती है। इस तरह की साड़ी भी आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगी। इसके साथ आप एक्सेसरीज और मेकअप कर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं। इस साड़ी को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

ऑयली स्किन पर लगाएं ये खास फेस पैक, मिलेंगे गजब के फायदे

जब भी स्किन ज्यादा ऑयली होती है, तो इसकी वजह से चेहरे पर दाने या अन्य समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप हफ्ते में 1 बार फेस पैक का इस्तेमाल जरूर करें, ताकि स्किन हेल्दी रहे।

फेस पैक लगाने के क्या होते हैं फायदे

फेस पैक को लगाने से चेहरे पर मौजूद एक्सट्रा गंदगी साफ हो जाती है। साथ ही, चेहरे का रंग भी निखरता है। इसका इस्तेमाल आप हफ्ते में 1 बार करें। इसके बाद आपको पार्लर जानें कि या महंगे प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आपकी त्वचा में नेचुरली निखार नजर आएगा। बस आपको ऑयली त्वचा के हिसाब से फेस पैक की सामग्री को चूज करना होगा।

चंदन और दही का फेस पैक

चेहरे पर आप चंदन और दही के फेस पैक को लगा सकती हैं। इस तरह के फेस पैक को लगाने से आपकी त्वचा साफ हो जाएगी। साथ ही, आपके चेहरे पर अलग निखार नजर

आएगा। इसके लिए आपको इसे आसान तरीके से बनाने की जरूरत है।

चंदन और दही का फेस पैक

इसके लिए आपको पहले एक कटोरी में 2 चम्मच चंदन पाउडर लेना है। अब इसमें 2 चम्मच दही को मिक्स करना है। हल्की सी हल्दी को मिक्स करें और पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं। फिर इसे कुछ देर के लिए सूखने दें। इसके बाद चेहरे को पानी से हाथों से रब करके साफ करें। इसे लगाने से चेहरे पर मौजूद एक्स्ट्रा ऑयल साफ हो जाएगा।

घुंघरू पायल डिजाइन आपको पैरों की खूबसूरती में लगा देंगे चार चांद

महिलाएं अपनी खूबसूरती को कायम रखने के लिए कई प्रयास करती है। इनमें से कुछ महिलाएं आउटफिट से लेकर एक्सेसरीज तक हर एक चीज परफेक्ट मैच कर पहनना पसंद करती है। अगर आप भी अपने लुक को डिफरेंट और एलिगेंट टच देना चाहती है, तो कुछ ऐसे घुंघरू डिजाइन पायल आपको देखने चाहिए जो आपके पैरों की खूबसूरती को और बढ़ा देंगे।

घुंघरू पायल डिजाइन

अगर आप अपने पैरों को खूबसूरत बनाना चाहती हैं और इन्हें डिफरेंट लुक देना चाहती हैं, तो आप इस तरह के सिल्वर घुंघरू पायल डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। ऐसे पायल आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह देखने को मिल सकते हैं। इस तरह की पायल को आप अपने किसी भी आउटफिट के साथ पहन सकती हैं।

ऑक्सीडाइज्ड घुंघरू पायल

आप चाहे तो इस खूबसूरत घुंघरू पायल डिजाइन को भी पहनकर अपने पैरों की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं। इस तरह के पायल भी आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन

दोनों जगह मिल जाएंगे। यह पायल आपके पैरों को स्टाइलिश और मॉडर्न टच देने के साथ-साथ आपके लुक को भी एलिगेंट टच देने में बेहद मदद करेंगी। इसे पहनकर आप बला की खूबसूरत लग सकती हैं। एक जैसे पायल डिजाइन पहनकर अगर आप भी बोर होने लगी है, तो अब अपने पैरों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए आप इस तरह के घुंघरू पायल डिजाइन भी ट्राई कर सकती हैं। ऐसे पायल आपके पैरों की खूबसूरती को बढ़ाएंगे और आपको डिफरेंट लुक देने में मदद करेंगे। आप ऐसे पायल डिजाइन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती है।

कार्नर न्यूज

आपकी पर्सनालिटी का आईना होती है शानदार हेयर स्टाइल

सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिंग रूल्स अपनाकर देखिए, लोग फिदा हो जाएंगे आपके बालों पर

क्या कभी आपने सोचा है कि कुछ लोगों के बाल इतने शानदार क्यों दिखाई देते हैं? जबकि कुछ लोगों के बाल कभी भी उनके कंट्रोल में नहीं रहते हैं। इसके अलावा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि, वो अपने बालों को मैनेजबल रखने की कितनी कोशिश करते हैं।
ऐसा इसलिए भी होता है क्योंकि, कुछ पुरुष अपनी हेयर स्टाइल और बालों के लिए कुछ नियमों का पालन करते हैं। मानो या न मानो, जब हम अपने बालों की बात करते हैं, तो हम पुरुष बहुत ही नखरे करते हैं। हम में से अधिकांश लोगों पर, नियम का पालन न करने की वजह से ही प्रोडक्ट और रूटीन कोई असर नहीं करते हैं। जब तक आप कुछ बुनियादी नियमों का पालन नहीं करेंगे तब तक कुछ भी आपकी मदद नहीं कर सकता है।
इसलिए, हम आपको सेलिब्रिटीज के द्वारा फॉलो किए जाने वाले हेयर स्टाइलिंग रूल्स के बारे में जानकारी देंगे। ये रूल किसी भी हेल्दी बालों वाले पुरुष के द्वारा फॉलो किए जाने चाहिए, फिर चाहे वो मॉडल, एक्टर या कोई कॉमन मैन ही क्यों न हो।

बालों को चिपचिपा और ऑयली न रखें

हालांकि, नियमित रूप से आपके बालों में तेल लगाना अच्छा होता है, लंबे समय तक उस तेल को लगाकर छोड़ देना बिल्कुल भी अच्छा विकल्प नहीं है। ये बात एकदम सच है कि, स्कैल्प का बहुत ज्यादा ऑयली या चिपचिपा होना बालों की सेहत के लिए एकदम ठीक नहीं है। ऑयली स्कैल्प से कमजोर बाल निकलते हैं। इसके अलावा, उनकी ग्रोथ ठीक न होने से वो आसानी से डैमेज झेलकर टूट भी सकते हैं।
यदि आप इन बातों का ध्यान नहीं रखते हैं, तो चाहे आप कितने भी बढ़िया कंडीशनर का इस्तेमाल करें या आपका शैम्पू कितना भी महंगा क्यों न हो, आपके बालों के लिए कुछ भी काम नहीं करेगा। अपने बालों को स्टाइल करना और एक सभ्य दिखने वाली स्टाइल में

ट्रांसफॉर्म कर पाना भी लगभग असंभव हो जाता है।

बालों को सूट करने वाले अच्छे प्रोडक्ट खरीदें

हेयर स्टाइल और हेयर केयर प्रोडक्ट्स की बात करते हुए, सुनिश्चित करें कि आप कमजोर क्वालिटी के प्रोडक्ट्स का उपयोग नहीं कर रहे हैं। यह जरूरी है कि आप सही प्रोडक्ट को खरीदने से पहले थोड़ी सी रिसर्च जरूर करें।
कुछ समय और पैसा लगाने के बाद वही प्रोडक्ट खरीदें जो आपके लिए सबसे अच्छा काम करता है। ये बिल्कुल भी जरूरी नहीं है कि, बालों के लिए अच्छे प्रोडक्ट बहुत महंगी कीमत पर ही मिलते हैं। मार्केट में बजट प्रोडक्ट्स भी मौजूद हैं। लेकिन ध्यान उनकी क्वालिटी पर ही फोकस रखें। अगर आप बहुत अधिक कंफ्यूज हैं, तो त्वचा रोग विशेषज्ञ से परामर्श कर सकते हैं। वो आपको बालों और स्किन के हिसाब से सही प्रोडक्ट चुनने में मदद कर सकते हैं।

बालों के टेक्स्चर और घनत्व का ध्यान रखें

आपके पास जैसे भी बाल हैं, उन्हें पूरे मन से स्वीकार करें। यदि इसमें स्वाभाविक रूप से मोटी बनावट है, तो इसे बदलने की कोशिश न करें। यदि आपके बालों का स्वाभाविक रूप से पतला घनत्व है, तो कोई भी प्रोडक्ट या रूटीन आपकी मदद नहीं कर सकता है।

जलभराव के समाधान हेतु नपा व राजस्व अमले ने वार्ड क्र. 9 एवं तुरियापारा में हटाया अतिक्रमण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बरसात के मौसम में शहरवासियों को जलभराव की समस्या से राहत दिलाने नगर पर वर्षों से जमे अतिक्रमण को हटाते हुए जल निकासी की व्यवस्था को सुचारु एवं दुरुस्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने चलाया जा रहा अभियान

पालिका व राजस्व अमले की संयुक्त टीम द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 9 स्थित आईडिया टावर के समीप तथा तुरियापारा सहित अन्य संवेदनशील स्थानों संयुक्त टीम द्वारा चिन्हांकित स्थलों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए नालियों एवं जल निकासी मार्गों में बाधा बन रहे अवैध निर्माणों तथा अतिक्रमणों को चिन्हित कर हटाया जा रहा है, जिससे वर्षा जल का सुगम प्रवाह और नागरिकों को जलभराव की

समस्या से स्थायी निजात मिल सके। अभियान के दौरान संबंधित क्षेत्रों में जल निकासी की सतत निगरानी भी की जा रही है, ताकि किसी भी स्थान पर पानी रुकने की स्थिति उत्पन्न न हो।

सीएमओ मनीष गायकवाड द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान हेतु यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। शहर के विभिन्न वार्डों में जहां-जहां जल निकासी बाधित होने की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है, जिससे मानसून सीजन में नागरिकों को अधिकतम राहत प्रदान की जा सके। कार्यवाही में तहसीलदार सूर्यकांत साय व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

रोपाई कार्य हेतु ले जाये जा रहे बच्चे ग्रामीणों की सजगता और प्रशासन की सक्रियता से किये गए रेस्क्यू

बाल संरक्षण हेतु संयुक्त टीम की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा एवं बाल श्रम की रोकथाम हेतु जिला प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में ग्रामीणों की सतर्कता एवं प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से बाल श्रम की आशंका वाले एक प्रकरण में बच्चों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। प्राप्त सूचना के अनुसार एक पिकप वाहन से बच्चों को खेत मे रोपाई कार्य के लिए दूसरे गांव ले जाया जा रहा था, जिस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की। जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल द्वारा सूचना प्राप्त होते ही जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन, महिला सशक्तिकरण हब एवं पुलिस की संयुक्त टीम को सक्रिय किया गया। टीम ने नियमानुसार पंचनामा तैयार कर बच्चों को सुरक्षित संरक्षण में लिया तथा प्रकरण को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के लिए बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया।

समिति द्वारा अभिभावकों एवं अन्य संबंधित पक्षों से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर प्रकरण की जांच की जा रही है। कार्रवाई के दौरान अभिभावकों की काउंसलिंग कर उन्हें बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा एवं सर्वांगीण विकास के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही बच्चों को किसी भी प्रकार के श्रम कार्य में न लगाकर नियमित रूप से विद्यालय भेजने की समझाइश दी गई। संबंधित विभागों द्वारा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई भी की जा रही है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से कार्य कराए जाने की जानकारी मिले तो तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस 100 अथवा निकटतम प्रशासनिक एवं बाल संरक्षण अधिकारियों को सूचित करें। बच्चों का सुरक्षित बचपन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं उनके अधिकारों का संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

दो दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला का जिला पंचायत में हुआ शुभारंभ, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के बच्चे हुए शामिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला प्रशासन एवं निकोन छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में यहां जिला पंचायत सभाकक्ष में दो दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिपं सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले उपस्थित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में फोटोग्राफी के प्रति रुचि विकसित करना, आधुनिक कैमरा तकनीकों की जानकारी प्रदान करना तथा रचनात्मक

अभिव्यक्ति के नए अवसर उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर प्रतिभागियों को फोटोग्राफी के मूलभूत सिद्धांतों, कैमरा संचालन, कंपोजिशन, प्रकाश व्यवस्था तथा व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की जाएगी। आयोजन में शासकीय रेवती रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कन्या महाविद्यालय, पीएमश्री सेजस नवापारा, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, कन्या तथा बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 135 छात्र छात्राएं शामिल हुए हैं। कार्यशाला के आयोजन में समग्र शिक्षा के डीएमसी मनोज कुमार साहू, पर्यटन विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. मोहन लाल साहू, प्रभारी प्राचार्य गर्ल्स कॉलेज बृजलाल साहू, सहायक प्राध्यापक अनिल चक्रधारी, कंपनी के टीम मैनेजर गौरव जैन, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव अनुग्रह पुरोहित, ट्रेनर मोहित साहू तथा विभिन्न विद्यालयों के नोडल शिक्षकों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही।

विभिन्न समस्याओं को लेकर शिवसेना यूबीटी ने राज्यपाल के नाम प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शिवसेना ने जिला प्रमुख विष्णु वैष्णव के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राज्य की

कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं, स्वास्थ्य एवं शिक्षा व्यवस्था तथा आदिवासी क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई। शिवसेना यूबीटी द्वारा सौपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश में अपराध, नशे के कारोबार और कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। साथ ही सरकारी भर्तियों में देरी और अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए स्थानीय युवाओं को निजी उद्योगों में 80 प्रतिशत रोजगार प्राथमिकता देने की मांग की गई। किसानों को समय पर खाद, बीज और बिजली उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, सरकारी स्कूलों को सशक्त बनाने तथा आदिवासी क्षेत्रों में सड़क, पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने की भी मांग उठाई गई। शिवसेना ने ज्ञापन के माध्यम से चेतावनी दी है कि यदि इन जनहित के मुद्दों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो संगठन जनता के अधिकारों के लिए व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होगा। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख मोहन सिंह टेकाम, महिला जिलाध्यक्ष पिंकी पटेल महिला नगर अध्यक्ष कृष्ण सिंह महिला उपाध्यक्ष रजनी सिंह बबलू यादव, साहिल, सुखेंद्र सिंह अर्जुन सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेंडारी घाट पर अनियंत्रित होकर पलटी ट्रक, ड्राइवर व क्लीनर में कूद कर बचाई जान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रतापपुर-पेंडारी घाट मार्ग लगातार सड़क दुर्घटनाओं के कारण क्षेत्र के सबसे खतरनाक मार्गों में गिना जाने लगा है। गुरुवार दोपहर दिल्ली से उत्तर प्रदेश जा रही है लोहा लोड ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया है बताया जा रहा है कि ओवरलोड एवं ड्राइवर की लापरवाही से ट्रक खाई में जा गिरी, जिसके वजह से ड्राइवर एवं क्लीनर कूद कर अपनी जान बचाये। घुमावदार मोड़, तीखी ढलान, पहाड़ी क्षेत्र और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण यहां आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। इन दुर्घटनाओं में अब तक बड़ी संख्या में लोगों की जान जा चुकी है, जबकि अनेक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से इस घाट में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, सड़क का चौड़ीकरण, पर्याप्त चेतावनी संकेत लगाने, क्रैश बैरियर, स्ट्रीट लाइट और नियमित रखरखाव की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस और स्थायी पहल नहीं हो सकी है। परिणामस्वरूप आय दिन वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रही है।

बरसात के मौसम में यह मार्ग और अधिक खतरनाक हो जाता है। फिसलन, खराब दृश्यता और सड़क की जर्जर स्थिति के कारण दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। क्षेत्रवासियों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि पेंडारी घाट को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिए तत्काल विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। सड़क का तकनीकी सर्वे कराकर आवश्यक सुधार कार्य, सुरक्षा रेलिंग, चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर, स्पीड कंट्रोल उपाय तथा नियमित पुलिस और आपातकालीन सहायता की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ताकि आय दिन हो रहे हादसों पर विराम लग सके।

संकुल में हुआ मध्यान्ह भोजन सहायिकाओं का प्रशिक्षण, गुणवत्ता एवं स्वच्छता पर दिया बल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मध्यान्ह भोजन योजना अंतर्गत कार्यरत भोजन सहायिकाओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण यहां के बा. उ. मा. विद्यालय में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य योजना के प्रभावी संचालन, खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता, पोषण मानकों तथा गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराने के संबंध में सहायिकाओं की दक्षता विकसित करना रहा।कार्यक्रम में स्वामी आत्मानंद विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार झा का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने अपने उद्बोधन में प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए भोजन की स्वच्छता, गुणवत्ता तथा रसोइयों के दैनिक कार्यों में बरती जाने वाली सावधानियों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने भोजन तैयार करने एवं परोसने के दौरान स्वच्छता के मानकों का पालन करने, निर्धारित मेन्यू के अनुसार पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, रसोईघर की नियमित साफ-सफाई, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा आवश्यक अभिलेखों के सही संधारण पर

विशेष बल दिया।

प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यान्ह भोजन योजना विद्यार्थियों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण स्तर एवं नियमित विद्यालय उपस्थिति सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण योजना है तथा इसके सफल क्रियान्वयन में मध्यान्ह भोजन सहायिकाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी सहायिकाओं से शासन के दिशा-निर्देशों का पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ पालन करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण में मध्यान्ह भोजन सहायिकाओं के साथ ही संचालन समूह के सदस्यों ने भी सक्रिय सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी कराया। कार्यक्रम का समापन प्राप्त जानकारी को विद्यालय स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के संकल्प के साथ हुआ।

इस अवसर पर संकुल केंद्र नवापारा के संकुल समन्वयक बालेश्वर प्रसाद साहू, संकुल समन्वयक जितेंद्र कुमार साहू, कन्या के संकुल समन्वयक विकास कुमार पांडेय तथा मास्टर ट्रेनर राम नंदे साहू एवं राजाराम साहू उपस्थित रहे।

खाद से लेकर सड़क तक जनसमस्याओं पर गरजी कांग्रेस, ओड़गी में धरना और सांकेतिक चक्का जाम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ओड़गी द्वारा बुधवार को धरना-प्रदर्शन और सांकेतिक चक्का जाम किया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और ग्रामीण शामिल हुए। जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस ने प्रशासन के सामने चार प्रमुख मांगें रखते हुए तत्काल समाधान की मांग की।

पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े ने कहा कि क्षेत्र के किसान खाद के संकट से जूझ रहे हैं और समय पर खाद नहीं मिलने से खेती प्रभावित हो रही है। कई गांवों में सौर ऊर्जा संयंत्र लंबे समय से बंद पड़े हैं, जिससे ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही है। क्षेत्र की अनेक सड़कें जर्जर होकर आवागमन के लिए चुनौती बन चुकी हैं। वहीं ग्राम पंचायत लॉजित में नहर निर्माण कार्य में अनियमितताओं के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग भी उठाई गई। पूर्व शिक्षा

मंत्री प्रेमसाय ने कहा कि यदि किसानों, ग्रामीणों और आम लोगों से जुड़े इन मुद्दों पर प्रशासन ने शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उनका कहना था कि जनता की मूलभूत समस्याओं को लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, वरिष्ठ नेताओं तथा विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों और युवाओं के साथ हुई पुलिस कार्रवाई की भी निंदा की। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ बताते हुए केंद्र सरकार की कार्यशैली पर आपत्ति जताई। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस ने शासन प्रशासन से जनहित की सभी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करने की अपील की और स्पष्ट किया कि समाधान नहीं होने की स्थिति में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

धरना-प्रदर्शन में पूर्व मंत्री प्रेमसाय टेकाम, पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ओड़गी अध्यक्ष लवकेश गुर्जर, भुवन भास्कर प्रताप सिंह, अवधेश गुर्जर, संजय यादव, शिवबालक यादव, इम्तियाज जफर, विद्यासागर, प्रदीप राजवाड़े, मुकेश अग्रवाल, नवीन जायसवाल, दानी प्रसाद पाण्डेय, राजेंद्र यादव, धर्मप्रसाद राजवाड़े, चंद्रभान राजवाड़े, लिली राजवाड़े, राजेश साहू, कृष्णा गुर्जर, ताराचंद नाविक, रविशंकर गुर्जर, नरेंद्र सिंह, अवलेंद्र, अरुण, अमीरचंद, धर्मेंद्र यादव, धर्मजीत, शशि जायसवाल, प्रीति जायसवाल, पिंटू, मकसूदन सहित कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विशेष शिविर में लंबित वेतन निर्धारण एवं पेंशन प्रकरणों का हुआ त्वरित निराकरण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर के निर्देशन में कर्मचारियों एवं पेंशनरों के लंबित वेतन निर्धारण, पेंशन तथा समयमान से संबंधित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन, अम्बिकापुर की उपस्थिति में लंबित प्रकरणों का परीक्षण कर उनका मौके पर ही निराकरण किया गया।

विशेष शिविर के दौरान विभिन्न विभागों से प्राप्त लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर में 80 वेतन निर्धारण प्रकरणों तथा 10 पेंशन प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इससे कर्मचारियों एवं पेंशनरों को लंबे समय से लंबित मामलों में राहत मिली।

जिला प्रशासन का उद्देश्य कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों से जुड़े प्रकरणों का समयबद्ध एवं पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित करना है। इसी उद्देश्य से आयोजित इस विशेष शिविर में विभागीय अधिकारियों ने आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण कर प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया।

जिला प्रशासन ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि भविष्य में भी वेतन निर्धारण, पेंशन एवं समयमान से संबंधित प्रकरणों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि कर्मचारियों एवं पेंशनरों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। शिविर में उपसंचालक अनिल कुमार वारी, सहायक संचालक संजय धीवर, कोषालय अधिकारी दशरथ प्रसाद सोनी, संयुक्त संचालक कोषालय व पेंशन अंबिकापुर से आए अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर के हाथों श्रवण यंत्र पाकर भावुक हुए जमुना प्रसाद

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर ने कलक्टर कक्ष में श्री जमुना प्रसाद को कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी द्वारा श्रवण यंत्र प्रदान किया और बेहतर जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत बेबदी निवासी 72 वर्षीय श्री जमुना प्रसाद श्रवण यंत्र प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बढ़ती उम्र के कारण उन्हें सुनने में काफी कठिनाई होती थी, जिससे दैनिक जीवन एवं लोगों से संवाद करने में परेशानी होती थी। श्रवण यंत्र मिलने से अब उन्हें पहले की अपेक्षा बेहतर सुनाई देगा और दैनिक कार्यों को करने में भी सुविधा होगी। उन्होंने इस सहयोग के लिए जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर के मार्गदर्शन में समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग ने बताया कि दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उन्हें बेहतर जीवन जीने में सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

डीएपी की जगह वैकल्पिक उर्वरकों से फसलों को मिलेगा संतुलित पोषण

★ कृषि विभाग ने दी वैज्ञानिक सलाह ★ एनपीके, एसएसपी और टीएसपी के उपयोग से मिलेगा बेहतर फसल उत्पादन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ सीजन में किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ फसलों के संतुलित पोषण के लिए कृषि विभाग जानकारी दी है कि यदि किसी क्षेत्र में डीएपी उर्वरक की उपलब्धता प्रभावित होती है, तब भी किसानों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि कई वैज्ञानिक एवं प्रभावी वैकल्पिक उर्वरक उपलब्ध हैं।

कृषि विभाग ने किसानों को बताया है कि डीएपी के विकल्प के रूप में एनपीके 20:20:0:13, एनपीके 12:32:16, एनपीके 10:26:26, सिंगल सुपर फॉस्फेट तथा ट्रिपल सुपर फॉस्फेट का उपयोग किया जा सकता है। इन उर्वरकों में नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश एवं सल्फर जैसे आवश्यक पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो फसलों की बेहतर वृद्धि एवं अधिक उत्पादन में सहायक हैं। कृषि विभाग ने बताया है कि एसएसपी अथवा टीएसपी के उपयोग के साथ फसल की अनुशंसित नाइट्रोजन आवश्यकता को यूरिया के माध्यम से पूरा किया जाना चाहिए। इससे फसलों को संतुलित पोषण मिलेगा और उत्पादन पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे किसी एक उर्वरक पर निर्भर रहने के बजाय उपलब्धता, मृदा परीक्षण एवं कृषि विशेषज्ञों की अनुशंसा के अनुसार संतुलित उर्वरकों का उपयोग करें। वैज्ञानिक एवं संतुलित उर्वरक प्रबंधन से न केवल फसल उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी लंबे समय तक सुरक्षित बनी रहेगी।

कांग्रेस देश में अराजकता का माहौल बना रही, भाजपा का मर्यादित राजनीति में विश्वास

प्रधानमंत्री आवास घेराव के विरोध में भाजयुमो ने किया प्रदर्शन, राहुल गांधी का पुतला फूंका

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान तथा भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में भाजपा युवा मोर्चा सरगुजा द्वारा स्थानीय घड़ी चौक पर धरना-प्रदर्शन कर राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रधानमंत्री आवास घेराव को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष निशांत सिंह सोलू ने किया।

धरना को संबोधित करते हुए भाजपा के जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने कहा कि, कांग्रेस देश में अराजकता का वातावरण बनाने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध अमर्यादित भाषा, निराधार आरोप और प्रधानमंत्री आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस युवाओं के मुद्दों को राजनीतिक रंग देकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है, जबकि भाजपा हमेशा लोकतांत्रिक एवं मर्यादित राजनीति में विश्वास रखती है। जिला उपाध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला ने कहा कि बिना पूर्व सूचना प्रधानमंत्री आवास के बाहर जाकर प्रदर्शन करना राहुल गांधी की राजनीतिक उच्छृंखलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि देश की जनता संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करती है, अराजकता की राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेगी। धरना को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष मधु चौदहा ने कहा कि कांग्रेस जनता के वास्तविक मुद्दों से भटककर केवल राजनीतिक नौटंकी करने में लगी हुई है। देश की जनता ऐसे प्रयासों का उचित जवाब देगी। उपाध्यक्ष विकास पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जबकि कांग्रेस केवल भ्रम और विरोध की राजनीति कर रही है। निलेश सिंह ने कहा कि युवाओं का भविष्य सकारात्मक राजनीति और विकास से सुरक्षित होगा, न कि हिंसा और अराजकता फैलाने वाले आंदोलनों से। वैभव सिंह देव ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन उसकी भी एक संवैधानिक मर्यादा होती है। कांग्रेस लगातार उन मर्यादाओं का उल्लंघन कर रही है। मण्डल अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने कहा कि, भाजपा के कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं और कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करते रहेंगे। भाजयुमो जिलाध्यक्ष निशांत सिंह सोलू ने कहा कि युवा मोर्चा देश, लोकतंत्र और संविधान के सम्मान के लिए सदैव खड़ा रहेगा। राहुल गांधी द्वारा किया गया यह कृत्य निंदनीय है और देश का युवा इसे स्वीकार नहीं करेगा। मंच संचालन अनीश सिंह ने, अविनाश मंडल ने आभार प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन में पार्टी के निश्चल प्रताप सिंह, रुपेश दुबे, शुभांगी बिहाड़े, प्रियंका चौबे, नीलम राजवाड़े, सरस्वती यादव, नलिनी पांडे, राखी यादव, संगीता सोनी, नंदनी सिंह, मीरा तिवारी, रीना राय, गुंजन सिंह देव, संजीव वर्मा, विकास शुक्ला, दीपक यादव, अनीश सिंह, अविनाश मंडल, शुभम अंबष्ट, अभिषेक सिंह पिंटी, आशुमल गर्ग, रवजोत सिंह, ओंकारेश्वर सिंह, अनुराग शुक्ला सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार के फेल परीक्षा सिस्टम से छत्तीसगढ़ में एक बच्ची की गई जान

कांग्रेस ने मौन रैली निकाल कर बस्तर की होनहार छात्रा हरिका राव नायडू को दी श्रद्धांजलि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नीट री-एग्जाम में असफल होने के बाद आत्महत्या करने वाली बस्तर की होनहार छात्रा हरिका राव नायडू को श्रद्धांजलि देने के लिए गुरूवार को जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने राजीव भवन से गांधी प्रतिमा तक मौन रैली निकाला और मोमबत्ती जलाया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। छात्रा नीट की प्रथम परीक्षा में अच्छे अंक और अपने चयन के लिए आश्वस्त थी, किंतु पेपर लीक होने और पुन: परीक्षा में असफल होने से उत्पन्न तनाव और हताशा में उसने आत्महत्या कर ली।

इस दौरान महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष सीमा सोनी ने कहा कि केंद्र सरकार के फेल परीक्षा सिस्टम ने छत्तीसगढ़ में भी एक बच्ची की जान ले ली है। उन्होंने कहा कि जो सरकार मामूली परीक्षाओं का संचालन नहीं कर सकती उंसे इस्तीफा देकर सक्षम लोगों को सत्ता सौंप देना चाहिए। इस दौरान जेपी श्रीवास्तव, द्वितेंद्र मिश्रा, राकेश गुप्ता, हेमंत सिन्हा, विनय शर्मा, नुरुल अमीन सिद्दीकी, दुर्गेश गुप्ता, मदन जायसवाल, प्रशांत सिंह, इंद्रजीत सिंह धंजल, अनिमा केरकेट्टा, संजीव मंदिलवार, मुनेश्वर राजवाड़े, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, संजय सिंह, जमील खान, आलोक सिंह, नरेंद्र विश्वकर्मा, चंद्रप्रकाश सिंह, रजनीश सिंह, निकी खान, सोहन जायसवाल, नीतीश चौरसिया, सतीश बारी, बल्केश्वर तिर्की,, कलीम अंसारी, शुभम जायसवाल, प्रमोद चौधरी, रोशन कन्नौजिया, सरला सिंह, मालती सिंह, गीता प्रजापति, निमन राशि एक्का, मेघा खांडेकर, रश्मि सोनी, रूही गजाला, पूर्णिमा सिंह, गीता रजक, परवेज आलम गांधी, प्रीति राजपूत, एलिना, रंजू सिंह, अनिता सिन्हा सहित काफी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

अस्पताल में भर्ती मरीज गायब हुआ, भटक रहे स्वजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल के मेडिकल वार्ड में भर्ती एक मरीज गायब हो गया, जिससे स्वजन परेशान हैं। स्वजन ने अस्पताल के पुलिस सहायता केंद्र और मणीपुर थाना में इसकी सूचना दी है, लेकिन उसका पता नहीं चल पाया है।

जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर जिला के पस्ता थाना अंतर्गत ग्राम बासेन निवासी लालबिहारी रवि पिता रामनाथ रवि 40 वर्ष को बीते सोमवार की रात को अचानक झटका आने पर स्वजन राजपुर स्वास्थ्य केंद्र ले गए थे। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां मेल मेडिकल वार्ड में भर्ती करके चिकित्सक उसका उपचार कर रहे थे। 22 जुलाई, बुधवार को दिन में करीब 11.30 बजे वह बेड से उठा, तो शौचालय जा रहे होंगे, सोचकर पत्नी ध्यान नहीं दी। काफी देर तक जब लालबिहारी वापस नहीं लौटा तो उसकी खोजबीन शुरू हुई, और चिकित्सक, नर्स को जानकारी दी गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। सीसीटीव्ही को खंगालने पर बीमार युवक अस्पताल के बीच गेट से निकलते नजर आ रहा है, लेकिन इसके बाद कहां गया, पता नहीं चल पाया है। चप्पे-चप्पे पर तैनात रहने वाले निजी सुरक्षा कर्मियों के बाद भी अस्पताल से भर्ती मरीज का गायब हो जाना समझ से परे है। गायब युवक के स्वजन ने बताया कि, वे गृहग्राम तक गायब युवक को तलाश कर पुन: अंबिकापुर आऐ हैं। मणीपुर थाना में गुम इंसान की सूचना देने वे गए थे, यहां केस दर्ज करने के लिए भर्ती पर्ची लेकर आने कहा गया। अस्पताल प्रबंधन के द्वारा भी बुधवार को दोपहर तक भर्ती मरीज के गायब होने के संबंध में किसी प्रकार की तहरीर पुलिस को उपलब्ध नहीं कराई गई थी, जिससे उसकी खोजबीन की जा सके।

बस के केबिन से गिरा कंडेक्टर, इलाज के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। चालक के द्वारा अचानक बस आगे बढ़ाने से केबिन में सामान बांध रहा कंडेक्टर गिर गया, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, कोतवाली थाना अंतर्गत रिंग रोड नमनाकला निवासी शैलेन्द्र दुबे पिता विजय कांत दुबे 41 वर्ष, गुप्ता बस में कंडेक्टर का काम करता था। 22 जुलाई को वह अंबिकापुर से गढ़वा जाने वाली बस के केबिन में चढ़कर दोपहर करीब 1.15 बजे कुछ सामान बांध रहा था। इसी दौरान अचानक चालक बस को आगे बढ़ाया, जिससे कंडेक्टर का संतुलन बिगड़ा और वह नीचे गिर गया। घटना में उसे सिर में गंभीर चोटें आई थी। बस चालक व अन्य लोगों की मदद से उसे ऑटो में मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल भेजा गया, यहां इलाज के दौरान देर रात 2 बजे उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

लिंक खोलते ही व्यवसायी हुआ 1.33 लाख की ठगी का शिकार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मोबाइल में बैंक खाता को अपडेट करते व्यवसायी एक लाख 33 हजार रुपये की ठगी का शिकार हो गया। चोपड़ापारा निवासी व्यवसायी पूरन अग्रवाल ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि, उनका युनियन बैंक अंबिकापुर सीसी लीमिट खाता है। बीते 10-15 दिनों से उनके मोबाइल में अपडेट का संदेश आ रहा था। 20 जुलाई को एक मोबाइल नंबर धारक ने व्हाट्सअप मैसेज करके शाम 7.30 बजे एक लिंक भेजा, जिसमें युनियन बैंक का लोगो लगा हुआ था। जैसे मैं उन्होंने लिंक को अपडेट किया खाता से 1 लाख 33 हजार रुपये कटने का मैसेज आया। खाता से उक्त रकम पूरब अग्रवाल को आईएमपीएस के माध्यम से ट्रांसफर करना बताया गया था। व्यवसायी का कहना है कि, उनके द्वारा न ही कोई ट्रांजेक्शन किया गया है और ना ही वे पूरब अग्रवाल को जानते हैं। खाते से तकनीकी धोखाधड़ी रकम निकालने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

'हमर क्लीनिक' में चार साल बाद भी डॉक्टर नहीं

अस्पताल की दूरी महज 3 किमी, ऐसे में उपयोगिता सवालों के घेरे में

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2021 में लोगों को घर के नजदीक प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'हमर क्लीनिक' योजना शुरू की थी। दावा था कि गली-मोहल्लों में ही डॉक्टर, जांच और मुफ्त दवाइयों की सुविधा मिलेगी, जिससे छोटे-मोटे इलाज के लिए लोगों को अस्पतालों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। योजना शुरू होने के चार साल बाद भी इसकी जमीनी हकीकत सरकारी दावों से काफी अलग है।

सूरजपुर जिले के भटगांव सहित जिले के कई हमर क्लीनिकों में आज भी नियमित डॉक्टर नहीं हैं, स्वास्थ्य सेवाएं नर्सों के भरोसे संचालित हो रही हैं। मरीजों को प्राथमिक दवा देकर घर भेज दिया जाता है, जबकि गंभीर मामलों में उन्हें सीधे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या जिला अस्पताल रेफर किया जाता है। भटगांव का मामला योजना हमर क्लीनिक की उपयोगिता पर भी सवाल खड़े करता है। यहां हमर क्लीनिक से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहले से संचालित है, जहां अधिकांश स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी कम दूरी पर अलग से हमर क्लीनिक बनाने के बजाए उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी, जहां आज भी लोगों को इलाज के लिए कई किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है। इनका मानना है कि संसाधनों का बेहतर उपयोग जरूरत वाले क्षेत्रों में किया जाना चाहिए था।

डॉक्टर नहीं, नर्सों के भरोसे चल रहा इलाज-हमर क्लीनिक में आने वाले मरीजों को अधिकांश समय डॉक्टर नहीं मिलते। नर्सें ही सामान्य जांच कर सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार दवाइयां उपलब्ध करा रही हैं। किसी भी जटिल बीमारी या गंभीर लक्षण होने पर मरीजों को बड़े अस्पताल भेज दिया जाता है। इससे मरीजों का समय और पैसा दोनों खर्च हो रहे हैं।

भर्ती अटकी, आधे से ज्यादा केंद्र प्रभावित-स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार चिकित्सकों की भर्ती के लिए शासन स्तर पर लगातार पत्राचार किया गया है, लेकिन पर्याप्त संख्या में डॉक्टर उपलब्ध नहीं हो सके हैं। इसका सीधा असर हमर क्लीनिकों की कार्यप्रणाली पर पड़ रहा है और कई केंद्र डॉक्टर विहीन होकर संचालित हो रहे हैं।

मरीजों की परेशानी, उद्देश्य नहीं हो रहा पूरा-भटगांव के एक मरीज ने बताया कि तीन दिनों से बुखार होने पर वह हमर क्लीनिक गया, लेकिन वहां डॉक्टर मौजूद नहीं थे। नर्स ने सामान्य दवा देकर घर भेज दिया। यदि तबीयत ज्यादा बिगड़ती तो उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाना पड़ता। अन्य मरीजों का कहना है कि डॉक्टर की अनुपस्थिति में सही जांच और परामर्श नहीं मिल पाता है, जिससे इलाज अधूरा रह जाता है। ऐसे में स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च करके भवन तो तैयार किया गया, लेकिन पर्याप्त डॉक्टर, दवाइयों और जांच सुविधाओं के अभाव में योजना का मूल उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है। कई स्थानों पर हमर क्लीनिक केवल नाम मात्र की स्वास्थ्य सुविधा बनकर रह गए हैं।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज-हमर क्लीनिक योजना की शुरुआत कांग्रेस सरकार ने की थी, अब प्रदेश में भाजपा सरकार है। ऐसे में विपक्ष का कहना है कि सरकार को इस महत्वाकांक्षी योजना को पूरी क्षमता के साथ संचालित करना चाहिए, वहीं भाजपा का तर्क है कि डॉक्टरों की कमी जैसी समस्याएं पहले से चली आ रही हैं, उन्हें दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आम जनता का कहना है कि उन्हें राजनीति नहीं, बल्कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं चाहिए। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि सभी हमर क्लीनिकों में जल्द से जल्द स्थायी डॉक्टरों की नियुक्ति की जाए, दवाइयों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और जांच सुविधाओं का विस्तार किया जाए। भविष्य में ऐसे स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना जरूरत और दूरी का आंकलन करके किया जाए, ताकि सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग हो और लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

जनरल की जगह आदिवासी भूमि का अनुबंध, 2.60 लाख ऐंठे

राजमिस्त्री की रिपोर्ट पर 4 आरोपितों के विरूद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मकान बनाने के लिये जमीन तलाश रहा राजमिस्त्री 2 लाख 60 हजार रुपये की ठगी का शिकार हो गया। आरोपितों ने ही उसे काफी दिनों से किराए के मकान में रहने की बात कहते हुए जमीन खरीदने के लिये प्रेरित किया और जनरल की जगह आदिवासी जमीन थोपने का प्रयास किया। मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है, और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, मूलत: ग्राम मानपुर थाना रंका झारखंड निवासी इसफाक अंसारी पिता मुस्ताक अंसारी 35 वर्ष, अपने पिता और पत्नी के साथ मजदूरी करने करीब 3 वर्ष पूर्व आया था और ग्राम तकिया में रमजान के यहां किराए में रहकर राजमिस्त्री का काम करता है। इसी दौरान वह मजदूरों से बोला था कि अंबिकापुर अच्छा शहर है, यहां जमीन मिल जाएगा तो अपना घर बनाउंगा और यहीं रहकर जीवन-यापन करूंगा। इधर काफी दिनों से किराए के मकान में रहने वाले राजमिस्त्री को रमजान ने भी कब तक किराये के मकान में रहोगे कहते हुए कम भाव में जनरल की जमीन दिला देने का झांसा दिया। राजमिस्त्री ने 5 से 6 लाख के बीच 2-3 डिसमिल जमीन खरीदने की इच्छा जाहिर की। कुछ दिनों के बाद रमजान अंसारी बोला कि जनरल का एक अच्छा जमीन है, जो सेटलमेंट का है, उसे एक बार देख लो, और दो लाख रुपये प्रति डिसमिल के दर से जमीन दिलवाने के लिये आश्वस्त किया। प्लॉट देखने के बाद राजमिस्त्री को जमीन पसंद आ गया और वह जमीन का कागज दिखाने के लिये कहा, ताकि यह पता चल सके कि जनरल प्लॉट है या नहीं। इसके बाद रमजान अंसारी, उसकी पत्नी शमीमा बीबी, साला हसीब व हसीब, साढ़ू अकलीम अंसारी उसे बरगलाकर विश्वास में ले लिए और कहा कि, 6 लाख 15 हजार रुपये में 3 डिसमिल प्लॉट दिला देंगे। इनके झांसे में आकर वह जमीन लेने के लिए राजी हो गया और अग्रिम राशि 3 लाख रुपये में से 2,61,000 रुपये और 11 हजार रुपये एग्रीमेंट के नाम पर इन्हें दे दिया। बाद में उसे पता चला कि, प्लॉट अनुसूचित जनजाति का है। मामले में पुलिस अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

रजिस्ट्री कराने कहा तो धमकाने लगे

राजमिस्त्री ने दो माह जब वह जमीन का रजिस्ट्री कराने कहा तो आरोपित उसे धमका-चमकाकर जान से मारने की धमकी देने लगे और कहा कि, आदिवासी भूमि है, इसका रजिस्ट्री नहीं होगा। छलपूर्वक आदिवासी की जमीन दिलाने की बात पर जब राजमिस्त्री रुपये वापस करने के लिए कहा तो इनके द्वारा कहा गया कि, तीन लाख रुपये डिसमिल के हिसाब से भुगतान करके जमीन पर कब्जा कर लो। बात नहीं बनने पर राजमिस्त्री ने कोतवाली थाना में आरोपियों के विरूद्ध जनरल का जमीन दिलाने का झांसा देकर आदिवासी के जमीन पर कब्जा करने के लिये प्रेरित करने और रुपये वापस नहीं करने की रिपोर्ट कोतवाली थाना में दर्ज कराई है।

आदिवासी छात्रावासों में अनियमितताओं का आरोप, उच्च स्तरीय जांच की मांग

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष बसंत कुजूर ने वाड्रफनगर विकासखंड के कोगवार एवं बलंगी छात्रावासों में गंभीर अनियमितताओं, भ्रष्टाचार तथा आदिवासी बच्चों के संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है और उच्च स्तरीय जांच एवं कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन के अनुसार, 18 जुलाई को समाज की टीम द्वारा दोनों छात्रावासों का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें कई गंभीर खामियां सामने आने का दावा किया गया है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि जिले के कुछ छात्रावासों में संस्थागत भ्रष्टाचार और अवैध वसूली की शिकायतें सामने आई हैं। आदिवासी समाज ने इसे आदिवासी बच्चों के अधिकारों के साथ अन्याय बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज ने कलेक्टर से कोगवार एवं बलंगी सहित जिले के सभी ट्राइबल छात्रावासों की वित्तीय एवं भौतिक जांच कराने, दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई करने तथा बच्चों को तत्काल गुणवत्तापूर्ण भोजन, साफ-सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

15.755 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना पुलिस ने आबकारी एक्ट के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपने मकान में भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब रखकर बिक्री कर रहा था। आरोपी के कब्जे से 15 लीटर 755 एमएल अवैध अंग्रेजी शराब जप्त किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया है। जानकारी के मुताबिक, थाना गांधीनगर पुलिस टीम को 21 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली कि, नवापारा, गोधनपुर रोड निवासी रविन्द्र सिंह अपने मकान में अवैध रूप से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना गांधीनगर पुलिस टीम ने रविन्द्र सिंह के मकान में रेड कार्रवाई की। जहा रविन्द्र सिंह 44 वर्ष उपस्थित मिला। पूछताछ के दौरान वह घर के अंदर से 08 नग सीलबंद सिम्बा बियर, 05 नग हंटर बियर, 05 नग इंक 11000 बियर, 04 नग सिम्बा केन बियर, 07 नग रॉयल चैलेंज व्हिसकी, 01 नग गोवा स्पेशल व्हिसकी, मात्रा कुल 15 लीटर 755 मिलीलीटर पेश किया। पुलिस ने मौके से अंग्रेजी शराब जप्त करके आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, प्रशिक्षु उप निरीक्षक विवेक चंद्राकर, भारतीय मार्कण्डेय, सहायक उप निरीक्षक धनंजय पाठक, आरक्षक रमन मण्डल, राहुल सिंह सक्रिय रहे।

वाहन पार्किंग में सेवारत महिलाओं को रेनकोट देकर फल खिलाया

सेवा किटी समूह के सदस्यों की पहल को समाजसेवियों ने सराहा

छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। सेवा किटी समूह के सदस्यों ने कलेक्ट्रेट परिसर में वाहन पार्किंग में सेवारत महिलाओं को रेन कोट और फल वितरित किया, ताकि वे बरसात में भी अच्छे से अपनी सेवाएं दे सके। समूह के सदस्य इन महिलाओं से समय-समय पर मिलती रहती हैं, और ठंड के मौसम में गर्म कपड़े एवं त्योहारों में मिठाई एवं उनकी जरूरत की सामग्री वितरित करती हैं। वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी आर्ट ऑफ लिविंग ने सेवा किटी समूह के कार्य को सराहा। वरिष्ठ समाजसेवी मंगल पाण्डेय, संयोजक नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा ने अपने कहा कि सेवा किटी समूह नि:स्वार्थ भाव से पूरे वर्ष भर विविध कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से समाज में अपनी सेवाएं दे रही हैं, जिससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलती है। उमाशंकर पाण्डेय, युवा समाजसेवी अनिल कुमार मिश्रा समन्वयक नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान सरगुजा ने भी सेवा किटी समूह की संस्थापिका वन्दना दत्ता के कार्यों को सराहा और कहा कि इनसे प्रेरित होकर ही वे समाज सेवा का कार्य कर रहे हैं। सेवा किटी समूह की संस्थापिका वन्दना दत्ता ने उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन महिलाओं का परिवार वाहन पार्किंग से होने वाले आय से चलता है। वे विगत छह वर्षों से लगातार समय-समय पर इनका सहयोग करते रहते हैं। कार्यक्रम में समाज सेविका संतोष पाण्डेय, नीलिमा गोयल, मधु चैदहा, लिलि बसु राय, गायत्री सुल्तानिया, आतिशी भट्टाचार्य, नमिता चावला, सत्या दुबे, मिलन शर्मा, अंजना परिहार, स्मिता तिवारी, सुनिता दास, सुधा तिवारी का सराहनीय योगदान रहा।

के आर टेक्निकल कॉलेज SINCE 2008
(Regular | Private | Distance)
ADMISSION OPEN 2026-27
मान्यताएं
संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा से सम्बद्ध
छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त
इग्नू का स्टडी सेंटर
SINCE 2008
COURSES OFFERED
UG COURSES: BCA, BBA, BCOM, BSC BIO, BSC MATHS, BSC CS, BA
PG COURSES: MSC CS, MSC IT, MSC BOTANY, MSC ZOOLOGY, MSC CHEMISTRY, MSC MATHS, MSC PHYSICS, MCOM, MSW, MA HINDI
PROFESSIONAL COURSES: DCA, PGDCA, PGDBM, PGDRD, BLIB
SCHOLARSHIP FACILITIES
विद्यासागर छात्रवृत्ति (सभी वर्गों के विद्यार्थियों के लिए)
पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (SC, ST एवं OBC विद्यार्थियों हेतु)
सीमित कोर्स में फ्री कोचिंग सुविधा उपलब्ध
COLLEGE CAMPUS: अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन के पास, काली घाट मंदिर के आगे, संजय नगर, छत्तीसगढ़ 9926513170, 9826612781
CITY OFFICE: कृष्ण आभा भवन, रिंग रोड, नमना कला, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ 9826183771

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर